www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 70 I नर्मदापुरम, शनिवार 7 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

सद्कर्म करते रहो, शास्त्रों का पालन करो गलत करने से बचो वरना भोगना तो पड़ेगा पृष्ठ 2

धरती का ख्याल रखना जरूरी है
अब गुजरात में न्याय की धज्जियां उड़ाता बुलडोजर राज पृष्ठ 4

जब भी सीनियर भारतीय हॉकी टीम में मौका मिलेगा, छाप छोड़ने को बेताब हूं : बांसुरी पृष्ठ 5

फील्ड पर होने का बहाना, घर पर आराम फरमाते और 4 बजे कर देते हैं हस्ताक्षर पृष्ठ 7

सार-समाचार

पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोज हो चुका है

टोंक, एजेंसी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान पर विश्वास नहीं किया जा सकता है क्योंकि संघर्ष विराम की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही उसने सीमा पर गोलीबारी की। पाकिस्तान अपनी विश्वसनीयता खो चुका है। अपने विधानसभा क्षेत्र राजस्थान के टोंक में कई कार्यक्रमों और जनसंवाद में भाग लेने वाले सचिन पायलट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान एक्सपोज हो चुका है। इसीलिए, उसके संघर्ष विराम के आश्वासन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

सचिन पायलट ने कहा, हमें बहुत सावधानी से काम करना होगा। केंद्र सरकार ने कहा कि अगर कोई आतंकी घटना होती है तो उसे हम युद्ध की गतिविधि मानेंगे। लेकिन मुझे भरोसा कम है, क्योंकि पाकिस्तान को चीन सपोर्ट कर रहा है। चीन चाहता है कि हमारे पश्चिमी बॉर्डर पर घटनाएं (लड़ाई) होती रहें जिससे भारत का विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूरा न हो पाए। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ी चिंता का विषय है कि चीन और तुर्की ने पाकिस्तान को समर्थन देने का फैसला किया है।' भारत-पाकिस्तान की तुलना पर उन्होंने कहा कि दो से तीन दशक तक विश्व समुदाय के समक्ष यह बात स्पष्ट की गई कि भारत और पाकिस्तान की तुलना नहीं की जा सकती।

26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। राणा की अगली कोर्ट पेशी 9 जुलाई को होनी है। इसका अर्थ है कि तहव्वुर राणा को अब 9 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। शुक्रवार को सुरक्षा कारणों से उसे वर्चुअल मोड के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। राणा के वकील ने उसके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। दलीलों पर गौर करते हुए कोर्ट ने तिहाड़ के अधिकारियों को 9 जून तक मामले पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

मीठी नदी सफाई घोटाला : डिनो मोरिया के आवास पर ईडी की रेड

मुंबई, एजेंसी। करोड़ों रुपयों के गबन से संबंधित मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में फंसे अभिनेता डिनो मोरिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई स्थित उनके आवास पर शुक्रवार को छापेमारी की। जानकारी के अनुसार, डिनो मोरिया के अलावा बीएमसी के सहायक अभियंता प्रशांत रामुगडे समेत अन्य के ठिकानों पर भी ईडी ने छापेमारी की है। मामले में अभिनेता 28 मई को ईओडब्ल्यू जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए थे।

मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे पुल का उद्घाटन किया

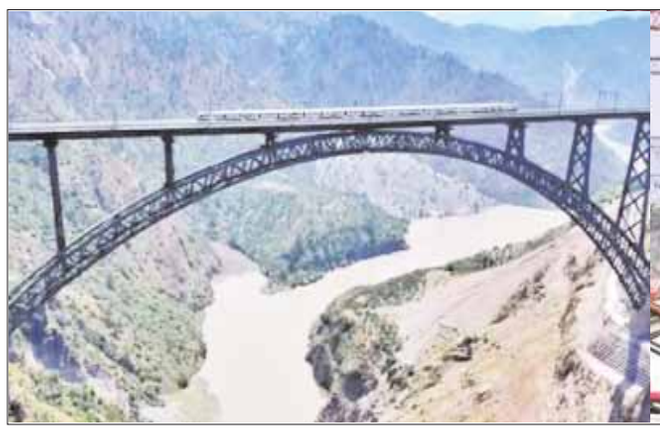

- सुरेश एस डुग्गर

- बोले- हमारी सरकार ने चुनौती को ही चुनौती देने का रास्ता चुना
- हमने पाकिस्तान के लिए 6 मई की रात कयामत की रात बना दी

जम्मू, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे पुल का उद्घाटन करने और कटड़ा से श्रीनगर के लिए रेल को हरी झंडी दिखाने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का ये कार्यक्रम भारत की एकता और भारत की इच्छाशक्ति का विराट उत्सव है। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज वादी-ए-कश्मीर, भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गई है।

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत दोनों पर वार किया। उसका इरादा भारत में दंगे कराने का था, कश्मीर के मेहनतकश लोगों की कमाई रोकने का था, इसलिए पाकिस्तान ने टूरिस्ट पर हमला किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम नरसंहार का जो जवाब पाकिस्तान को दिया गया उसने 6 मई की रात को उसके लिए कयामत की रात बना दिया था। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कटड़ा में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन परियोजना सिर्फ एक नाम नहीं है, यह जम्मू कश्मीर की नई शक्ति की पहचान है।

नीतिगत दरों में आधी फीसदी की कटौती

घर, कार ऋण होगा सस्ता

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आगे महंगाई में नरमी आने को ध्यान में रखते हुये विकास को गति देने के उद्देश्य से नीतिगत दरों विशेषकर रेपो दर में लगातार तीसरी बार 0.50 प्रतिशत की कटौती करने का शुक्रवार को निर्णय लिया जिससे आवास ऋण, वाहन ऋण और अन्य तरह के लोन सस्ते होगें।

आरबीआई ने फरवरी 2025 से लेकर अब तक रेपो दर में एक फीसदी की कटौती कर चुका है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी की 55वीं और चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की दूसरी तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक में लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुये कहा कि पिछले दो बार 0.25 प्रतिशत और 0.25 प्रतिशत की रेपो दर में कमी की गयी थी और अब इसमें 0.50 प्रतिशत की कटौती की जा रही है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो जायेगी।

उन्होंने कहा कि तंत्र में तरलता बढ़ाने के उद्देश्य से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में चरणबद्ध तरीके से एक फीसदी की कमी की जा रही है जिससे तंत्र में 2.50 लाख करोड़ रुपये की तरलता बढ़ेगी। इस कटौती के बाद सीआरआर चार प्रतिशत से कम होकर तीन प्रतिशत रह जायेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दी इजाजत

3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

नई दिल्ली, देशबन्धु। नीट पीजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बड़ा घटनाक्रम हुआ है। अदालत के अब आदेश के मुताबिक 3 अगस्त को सिंगल शिफ्ट में नीट पीजी 2025 की परीक्षा आयोजित होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनबीई के आवेदन को मंजूर कर लिया है। आज की सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि सिंगल शिफ्ट में परीक्षा कराने की वजह से तिथि को आगे बढ़ाना पड़ रहा है। यही मांग हमने आवेदन में की है।

एक ही शिफ्ट में होगी परीक्षा

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको इतना समय क्यों लग रहा है? इस पर एनईबी के वकील ने कुछ बातें कहीं। फिर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये बहुत ज्यादा समय है। पूरी प्रक्रिया में देरी हो रही है।एनबीई ने कहा कि कुल 2 लाख 50 हजार के करीब उम्मीदवार हैं। लगभग 450 केंद्र थे। चूंकि हमें एक ही शिफ्ट में परीक्षा आयोजित करनी है, इसलिए हमें कम से कम 500 केंद्रों की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछे तल्ख सवाल- केंद्रों की पहचान करने, सुरक्षा उपायों की व्यवस्था करने और छात्रों को परीक्षा केंद्र चुनने की अनुमति देने में समय लगेगा। इस पर जस्टिस पीके मिश्रा ने कहा लेकिन आपको 3 अगस्त तक का समय चाहिए? इतना समय क्यों? वहीं, जस्टिस मसीह ने कहा कि आपने प्रक्रिया शुरू भी नहीं की है। जबकि आदेश 30 मई को पारित हुआ था। उसके बाद आपने क्या किया? इससे देरी हो रही है। आपको दो महीने क्यों चाहिए? इस परएनबीई ने कहा कि- हमें केंद्रों की संख्या दोगुनी करनी होगी। फिर हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि केंद्र सुरक्षित हों, इसमें समय लगेगा। उसके बाद छात्रों को केंद्रों के बारे में सूचित करना होगा।

आलोट में सांदीपनी और जवाहर नवोदय विद्यालय भवन का किया लोकार्पण, मुख्यमंत्री ने कहा-

शिक्षा के नए कीर्तिमान बनेंगे

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र मे उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। रतलाम के आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टॉफ क्वार्टरो तथा 35 करोड़ 11 लाख की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वी एवं 12वी बोर्ड परीक्षा के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रर्दशन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जवाहर नवोदय विद्यालय से मुख्य मार्ग से जोडने वाली सड़क का निर्माण किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैं। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी

के दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। मध्यप्रदेश मे लगभग 55 लाख हैक्टेयर में सिंचाई हो रही है। किसानों को विद्युत के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पम्प देने की योजना है। इससे किसानों को बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे है। मध्यप्रदेश देश में पर्यटन के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर आ गया है। आलोट में क्षिप्रा-चंबल नदी संगम स्थल पर पर्यटन का विकास किया जाएगा।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री चेतन्य काश्यप, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक आलोट डॉ. चिंतामणि मालवीय उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री एवं अतिथियों का स्वागत पारंपरिक पगड़ी, शॉल एवं पारंपरिक पेन्टिग भेंट कर किया गया।

मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में सर्व-सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है, जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से पहचाने जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है।

सांदीपनि विद्यालय आलोट में आसपास के 1600 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेंगे, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषय-वार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

रोजगार, शिक्षा देने में केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान : प्रधान

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। लगभग 1 करोड़ 53 लाख बच्चे मध्यप्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। राज्य एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से इन विद्यालयों में एआई की पढ़ाई भी प्रारंभ की गई है। स्कूल समाज को मजबूत बनाते है। मध्यप्रदेश की नई पीढ़ी को सशक्त कर प्रदेश को विकसित किया जाएगा।

शिक्षा सामाजिक, आर्थिक विकास का आधार : गहलोत

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि यह नवोदय विद्यालय रतलाम में दूसरा है, पहला विद्यालय कालूखेड़ा में स्थित है। नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं। शिक्षा ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। भारत में साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है, जिसमें नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

अमीन सयानी की विरासत को संरक्षित करने बेटे राजिल ने संभाला माइक

महान रेडियो व्यक्तित्व अमीन सयानी के बेटे राजिल सयानी ने अपने पिता की असाधारण विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने का हार्दिक मिशन उठाया है। अमीन सयानी, जिनका देहांत 20 फरवरी, 2024 को हुआ, ने भारतीय प्रसारण इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी, उन्हें सबसे ज्यादा बिनाका गीतमाला के प्रिय होस्ट के रूप में याद किया जाता है, एक ऐसा शो जिसने भारतीय रेडियो के सुनहरे युग को परिभाषित किया। अपने गर्मजोशी भरे, अविस्मरणीय अभिवादन, 'बहनो और भाइयों' के लिए जाने जाने वाले सयानी की आवाज़ पीढ़ियों से आगे निकल गई। एक ऐसी शैली के साथ जिसमें ईमानदारी, स्पष्टता और भावनात्मक प्रतिध्वनि का मिश्रण था, वह एक घरेलू नाम बन गए। उनका विपुल करियर दशकों तक फैला, जिसके दौरान उन्होंने 54,000 से अधिक रेडियो कार्यक्रमों की मेजबानी की और 19,000 जिंगल्स बनाए, एक चौंका देने वाली उपलब्धि जो भारत में लोकप्रिय संस्कृति और मीडिया में उनके योगदान को रेखांकित करती है। उनकी मां कुलसुम

सयानी महात्मा गांधी से जुड़ी एक स्वतंत्रता सेनानी थीं और उनके दादा रहीमतुल्ला एम. सयानी एक बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। इन राजनीतिक और कार्यकर्ता जड़ों के बावजूद, अमीन ने ध्वनि के माध्यम से अपने लिए एक अनूठी जगह बनाई। राजिल सयानी ने साक्षात्कारों और श्रद्धांजलियों में अक्सर अपने पिता की कला के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। वह याद करते हैं कि कैसे अमीन सयानी लगभग दुर्घटनावश एक वाणिज्यिक प्रसारक बन गए, फिर भी उन्होंने विज्ञापनों को अपने शो में बिना किसी बाधा या श्रोता के अनुभव से समझौता किए शामिल किया। राजिल अपने पिता द्वारा हर शब्द, हर विराम, हर उच्चारण में डाली गई ईमानदारी और जुनून को उजागर करते हैं, जिससे उनकी आवाज़ भारतीय मीडिया में सबसे भरोसेमंद और प्रिय बन गई। अभिलेखीय पहलों, कहानी कहने के मंचों और व्यक्तिगत आख्यानों के माध्यम से, राजिल यह सुनिश्चित करना जारी रखते हैं कि लाखों भारतीयों के लिए खुशी, संगीत और जुड़ाव लाने वाली आवाज़ हमेशा जीवित रहे। उनका समर्पण न केवल उनके पिता के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है, बल्कि भारतीय प्रसारण में सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक के लिए सांस्कृतिक संरक्षण प्रयास के रूप में भी कार्य करता है। अमीन सयानी भले ही रेडियो से विदा हो गए हों, लेकिन राजिल की अटूट प्रतिबद्धता के कारण, उनकी आवाज और उसका जादू आने वाली पीढ़ियों तक गूंजता रहेगा।

(साभार : एक्सचेंज 4 मीडिया)

'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में बोले राहुल गांधी

बिहार में कानून-व्यवस्था बदहाल

असली मुद्दों को दरकिनार किया जा रहा

राजगीर, देशबन्धु। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को नालंदा स्थित अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में केंद्र और बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों सरकारों ने कानून व्यवस्था को बिगाड़कर संविधान को कमजोर करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गढ़ नालंदा से राहुल गांधी ने कहा, 'बिहार, जो कभी सत्य, न्याय और अहिंसा की धरती था, आज 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' बनता जा रहा है।' उन्होंने कहा कि बिहार में अब आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों जिम्मेदार हैं।

राहुल गांधी ने कानून-व्यवस्था की बदहाली पर चिंता जताते हुए कहा, 'यहां की

स्थिति भयावह है। शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं आम जनता से दूर होती जा रही हैं।' साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा, 'देश में नफरत और डर फैलाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस इसे सफल नहीं होने देगी। इसी मकसद से हमने 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू की थी और हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।'

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बार-बार पक्ष बदलने की राजनीति पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, 'कभी इधर, कभी उधर... मुख्यमंत्री का कोई स्थायित्व नहीं है। बिहार की जनता अब समझ गई है कि असली मुद्दों को दरकिनार किया जा रहा है।' उन्होंने खुद को संविधान और सामाजिक न्याय का रक्षक बताते हुए कहा, 'हम संविधान को टूटने नहीं देंगे।

राहुल ने दशरथ नगर गांव का दौरा किया

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम उठाते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गया जिले के दशरथ नगर गांव का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, गांधी ने दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की, जो गेहलौर गांव में एक पहाड़ को काटकर रास्ता बनाने के अपने उल्लेखनीय प्रयास के लिए प्रसिद्ध हैं। गांधी का दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने पारंपरिक आतिथ्य के साथ उनका स्वागत किया। नेता ने परिवार के साथ नारियल पानी साझा किया, वित्तीय कठिनाइयों के बारे में उनकी चिंताओं को सुना, और गंभीर चर्चा की। इसके बाद राहुल गांधी ने एक सभा को भी संबोधित किया।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

पीएम श्री स्कूल की 24 छात्राओं को दिया जा रहा हॉकी प्रशिक्षण

इटारसी, देशबन्धु। सूरजगंज स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली 24 छात्राओं को हॉकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्कूल में विद्यायक प्रतिनिधि जसबीर सिंह छाबड़ा ने बताया कि स्कूल में खेल शिक्षक विनोद दुबे के सहयोग से खेल मैदान पर छात्राओं को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। छात्राओं को स्कूल द्वारा हाकी किट, फुटबॉल नेट समेत अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं।

छाबड़ा ने बताया कि पहले स्कूल के मैदान की हालत खराब थी, विद्यायक डॉ. सीतासरन शर्मा के प्रयासों से खेल मैदान का समतलीकरण कराया गया है, साथ ही नाली निकासी की गई, जिससे मैदान अभ्यास लायक बन गया है। मैदान पर नियमित रूप से छात्राओं को खेल अभ्यास किया जा रहा है, जिससे छात्राओं के खेल में निखार आ रहा है।

भक्तों को समझाते हुए मुनिश्री निर्णयसागर महाराज ने गहरी बात कही

सद्कर्म करते रहो, शास्त्रों का पालन करो गलत करने से बचो वरना भोगना तो पड़ेगा

अपने कर्मों का फल सबको भोगना पड़ता है, कोई नहीं बच सकता

हरदा, देशबन्धु। हर जीव को अपने अपने कर्मों का फल भोगना पड़ता है। यदि हमारे कर्म गलत है तो उसका फल भी हमें ही भोगना होगा। बुरे कर्मों से बचने के लिए, हमें अच्छे कर्म करने चाहिए, बुद्धि से कर्म करना चाहिए, अज्ञान को दूर करना चाहिए, और सकारात्मक मानसिकता रखनी चाहिए। उक्त उद्धार मुनिश्री 108 निर्णय सागर महाराज ने स्थानीय श्रीचंद्रप्रभु जिनालय में आयोजित दिव्य देशना शिविर में व्यक्त किये।

जैन समाज हरदा के कोषाध्यक्ष राजीव रविंद्र जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 निर्णय सागर महाराज नगर में विराजमान है । मुनिश्री के सान्निध्य में कर्म से कैसे बचें विषय पर त्रिदिवसीय दिव्य देशना शिविर शुक्रवार से प्रारंभ हुआ है । इस दिव्य देशना में कर्म से कैसे बचें? विषय पर मुनिश्री ने मार्गदर्शन दिया , जिससे आत्मशुद्धि व कर्मनिर्जरा का पथ प्रशस्त होगा।

मुनिश्री निर्णयसागर महाराज ने उपस्थित जैन धर्मावलम्बीयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अच्छे कर्मों से पुण्य और बुरे कर्मों से पाप का फल मिलता है। कर्मों के दंड से बचने के लिए अच्छे कर्म करना चाहिए ओर हमें तत्वार्थसूत्र ग्रंथ में बताये अनुसार अच्छे कर्मों को करके हम बुरे कर्मों के प्रभाव को कम कर सकते हैं और पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। बुद्धि और विवेक से कर्म करके हम अपने कर्मों को बना सकते हैं। कर्मों के बारे में अज्ञान दूर करके हम कर्मों के चक्र से बच सकते हैं। सकारात्मक मानसिकता रखने से हम सकारात्मक कर्मों की ओर आकर्षित होते हैं और बुरे कर्मों से बच सकते हैं।

आज के शिविर में जैन समाज के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन, अनूप बजाज, अजय कटनेरा, अभिषेक जैन, मुकेश बकेवरिया, मनोज पुजारी, साधना कटनेरा, साधना बजाज, मीना कठनेरा, ममता बजाज, रेणु बकेबरिया, रितु अजमेरा, उषा बड़जात्या, मनीषा अजमेरा, शुगन पाटनी सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर ने अस्पताल, स्कूल का किया निरीक्षण

हरदा ।कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को हंडिया का दौरा कर तहसील कार्यालय, उचित मूल्य की दुकान, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व हंडिया बैराज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होने इस दौरान शिव करूणा धाम की गौशाला व जैविक खेती भी देखी। कलेक्टर श्री जैन ने इस दौरान सीएम राइज स्कूल अबगांवकला के निर्माण स्थल का भी दौरा किया और इस माह के अंत तक शेष कार्य पूर्ण कर जुलाई माह से नये भवन में स्कूल संचालन प्रारम्भ कराने को लेकर निर्देश दिये।

पेपरलेस इलेक्शन इस बार, ईबुकलेट में होगी सारी चुनावी जानकारी

इटारसी,देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी स्थानीय निर्वाचन में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से पेपरलेस इलेक्शन कराने की प्रक्रिया चल रही है । आम लोगों तथा कर्मचारियों को इस नई प्रक्रिया के फायदे बताने ब्रांड एम्बेसेडर सारिका घारू ने जागरूकता वीडियो तैयार किया है। सारिका घारू ने आज इसे राज्य निर्वाचन आयोग के डिप्टी सेक्रेटरी डॉ. सुतेश शाक्य को भेंट किया। इस अवसर पर आयोग के सतीश व्यास भी उपस्थित थे। सारिका ने बताया कि मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर पेपरलेस बूथ के लाभ बता रही हैं। ये गतिविधियां आयोग के कमिश्नर मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा सचिव अभिषेक सिंह के निर्देशन में कर रही हैं सारिका ने बताया कि पेपरलेस इलेक्शन में कागजी कार्यवाही के स्थान पर डिजिटल टूल्स की मदद से जानकारी प्राप्त की जायेगी। इसमें कम मतदान कर्मियों की जरूरत होगी, समय भी कम लगेगा तथा मानवीय त्रुटि की संभावना कम होगी। इस नई प्रणाली में रियलटाईम वोटर टर्नआउट, इलेक्ट्रानिक वोटर आइडेंटिफिकेशन और ऑटोमेटेड डाटा शेयरिंग से पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में होने वाले पंचायत उपचुनावों में इसे अपनाया जा रहा है।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

नर्मदापुरम, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम के प्राचार्य, डॉ. पी.सी. नरवरे ने जानकारी देते हुए बताया कि शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में सत्र 2025-2026 के लिए द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाविद्यालय में सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट जैसे विभिन्न ब्रांच में डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्य क्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश बढाने हेतु संस्था की टीम द्वारा नगर एवं आसपास के गांव में संपर्क कर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है एवं बालिकाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने एवं उनके सुनहरे भविष्य हेतु रोजगार/स्वरोजगार उपलब्ध कराकर सक्षम बनाने हेतु प्रयासरत है।

कार्यालय खुलने से अब परेशान नहीं होगी जनता मिलेगी समस्या निदान में सहायता, छाया हर्ष

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जनता कार्यालय शुभारंभ क्षेत्रीय लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने किया। कार्यक्रम में आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, मंत्री मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों की बड़ी भागीदारी रही। स्वागत उद्बोधन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदापुरम विधायक सीताशरण शर्मा ने विगत 1 वर्ष में सांसद द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई ।इस अवसर पर उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए प्रहलाद पटेल ने कहा कि इस जनता कार्यालय का शुभारंभ जनता के लिए किया गया है जिसका लाभ जनता को मिलेगा। यह कार्यालय जनता के लिए सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र होगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके ने कहा कि सांसद दर्शन सिंह चौधरी का स्वभाव बहुत ही सहज एवं सरल है। उनसे मिलने में किसी व्यक्ति को कोई असहजता नहीं होती। सांसद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल में गरीब कल्याण, कृषि सुधार, महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ वैश्विक स्तर पर देश की पहचान बनाई है। यह कार्यालय गरीब, मजदूर, किसान, महिला और कमजोर वर्गों के लिए एक मजबूत आधार होगा।

1 साल बेमिसाल पत्रक किया विमोचन

लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी के 1 वर्ष पूर्ण होने पर जनता कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी के द्वारा 1 वर्ष में किए गए कार्यों पर जोर दिया गया है इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदापुरम विधायक सीताशरण शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह सहित लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जोशी, सीमा सिंह प्रदेश कार्यालय मंत्री, राघवेंद्र शर्मा नर्मदापुरम भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सहित संगठन के पदाधिकारी आदी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश की अंडर-15 टैलेंट स्काउट बालिकाओं के (ओपन) चयन भोपाल में 9-10 जून को

इटारसी। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा अंकुर खेल मैदान 6 नंबर मार्केट शिवाजी नगर भोपाल में अंडर -15 टैलेंट स्काउट (बालिकाओं) के ओपन ट्रायल प्रात:10:30 बजे से रखे गये हैं। इस चयन ट्रायल मं भोपाल संभाग, सागर संभाग व नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट संघ की बालिकाएं हिस्सा ले सकती हैं, जिनका जन्म 1 सितंबर 2010 से 31 अगस्त 2013 के मध्य हुआ हो। चयन एमपीसीए इंदौर के सिलेक्टर्स द्वारा किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों का अंतिम चयन मध्यप्रदेश की अंडर-15 टीम के लिए इंदौर किया जाएगा। ट्रायल में शामिल होने वाली सभी खिलाड़ियों को अपने साथ स्वयं का डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी लाना अनिवार्य है। सभी जानकारी हेतु चंद्रशेखर धाकड़ (9229440358) से संपर्क किया जा सकता है।

सीएमओ इटारसी रितु मेहरा ने किया बरसात पूर्व नालों का निरीक्षण

इटारसी, देशबन्धु। नगर पालिका इटारसी की मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) रितु मेहरा ने आज शहर में बरसात पूर्व की तैयारियों का जायजा लिया। इसी कड़ी में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नालों की साफ-सफाई और उनकी मौजूदा स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। मानसून के आगमन से पूर्व जलभराव की समस्या से निपटने और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया गया। सीएमओ मेहरा ने संबंधित अधिकारियों को नालों की तत्काल और पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात के दौरान पानी का बहाव सुचारु रूप से हो सके और निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जहां पिछले वर्षों में जलभराव की शिकायतें मिली थीं। उन्होंने साफ-सफाई कर्मचारियों को तेजी से काम करने और सभी अवरोधों को हटाने का आदेश दिया। सीएमओ ने कहा कि नागरिकों को बरसात के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना नगर पालिका की प्राथमिकता है इस अवसर पर नगर पालिका के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। यह उम्मीद की जा रही है कि इस पूर्व तैयारी से इटारसी शहर मानसून के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो पाएगा।

माँ तुझे प्रणाम अनुभव यात्रा में चंबल संभाग ने किया पचमढ़ी भ्रमण

पिपरिया, देशबन्धु। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा माँ तुझे प्रणाम योजना अंतर्गत चंबल संभाग से 50 युवाओं के दल ने पचमढ़ी का भ्रमण किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा माँ तुझे प्रणाम यात्रा के अंतर्गत युवाओं को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्थलों का परिचय कराने के लिये अनुभव यात्रा का आयोजन किया जाता है। दल के पचमढ़ी पहुंचने पर जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सुश्री उमा पटेल ने दल का स्वागत किया। दल के साथ नरेंद्र सिंह तोमर, जितेंद्र शुक्ला, डेलन सिंह, अनिल श्रीवास्तव, सुदर्शन आर्य, नारायण प्रसाद यादव, अमन लोदवाल सहित युवा उपस्थित रहे। दल को पचमढ़ी में वायसन लाज, महादेव मंदिर, जटाशंकर मंदिर, पांडव गुफा, राजेंद्र गिरी, हांडी खो, इंदिरा प्रियदर्शिनी सहित अन्य दर्शनीय एवं पौराणिक स्थलों का भ्रमण कराया गया।

प्रतिभा का उत्सव, भविष्य की तैयारी: 8 सौ से अधिक विद्यार्थियों का हुआ भव्य सम्मान

नर्मदापुरम,देशबन्धु। कौशल श्री विकास समिति एवं नव अंकुर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह - 2025 में विभिन्न विद्यालयों से चयनित 800 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया।

अजय सैनी एवं सतीश बिल्लौरे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का आयोजन शासकीय नर्मदा महाविद्यालय ऑडिटोरियम में भव्य रूप से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि प्रख्यात आध्यात्मिक चिंतक आचार्य सोमेश परसाई जी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा - प्रतिभा वही है, जो निरंतर अभ्यास और संस्कारों से निखरती है। हर विद्यार्थी के भीतर सफलता की चिंगारी होती है, जरूरत है उसे सही दिशा देने की। कार्यक्रम में , विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा, समाजसेवी डॉक्टर अतुल सेठा ,विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी करायेगी दिसंबर में ऑल इंडिया लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट

इटारसी, देशबन्धु। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में ऑल इंडिया लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट करायेगा। यह घोषणा क्लब की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रिकेट शिविर के समापन अवसर पर की गई। क्लब ने क्रिकेटर सुमित बैस को श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि विगत एक मई से लगातार गांधी मैदान पर चल रहे लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के क्रिकेट कोचिंग कैम्प का विधिवत समापन 05 जून को गांधी स्टेडियम में हो गया। जोरदार बारिश व तेज हवाओं के बीच करीब 80 से अधिक प्रशिक्षुओं को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, सभापति राकेश जाधव, आनंद पब्लिक स्कूल के संचालक विजय मनवानी, पार्षद दिलीप गोस्वामी एवं हॉकी कोच कन्हैया गुरयानी के करकमलों से शील्ड व प्रमाणपत्र का वितरण किया गया।

एमजीएम कालेज में पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता व्याख्यान एवं पोस्टर निर्माण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी में राष्ट्रीय कैडेट्स कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर सेवानिवृत अपर वन मंडल अधिकारी रामकिशोर चौरे ने अपने 41 वर्षों का अनुभव विद्यार्थियों से साझा किया।

प्राचार्य डॉ राकेश मेहता, पर्यावरणविद् रामकिशोर चौरे, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि तिवारी मंचासीन रहे। प्राचार्य ने आमंत्रित वक्ता को तुलसी का पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों के महत्व को रेखांकित करते हुए वृक्षों से होने वाले 21 से अधिक लाभों पर चर्चा की जिसमें उन्होंने वृक्षों से प्राप्त फल, जड़ीबूटी, ईंधन और फर्नीचर के लिए लकड़ियां, रंग, गोंद, शहद, रबर, चंदन, प्राण वायु ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करना। मिट्टी के कटाव को रोकना, तापमान को नियंत्रित करना, प्रदूषण नियंत्रण, छाया प्रदान करते हैं, वर्षा में सहायक होते हैं। आय का स्रोत, प्राकृतिक सौंदर्य आदि लाभ अपने व्याख्यान में गिनाए।

उन्होंने पलाश पेड़ से निकलने वाली गोंद (कमरकश), घोस ट्री (कुल्लू), कपोक, सेमल (रूई) आदि पेड़ों की महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। उन्होंने मध्य प्रदेश के बोरी, चूरना, मड़ई, पचमढ़ी वन प्राणी अभ्यारण एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने पॉलीथिन के स्थान पर कपड़े की थैली का उपयोग एवं कमरे से निकलने से पहले लाइट पंखे आदि बंद करने का संदेश विद्यार्थियों को दिया।

प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने कहा प्रतिवर्ष 5 जून को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के लिए 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए सबसे बड़ा वैश्विक अभियान है, जो पर्यावरण की सबसे गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देश इसमें शामिल है। प्राचार्य ने जन्मदिन, पुण्यतिथि, सालगिरह आदि विशेष समय पर पौधे लगाने का संदेश दिया ।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का विस्तार करते हुए तुलसी, जामुन, मोरछली, रीठा आदि के पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा पर्यावरण जागरूकता पर आधारित पोस्टर निर्माण कर प्रदर्शनी लगाई। संचालन डॉ. मनीष कुमार चौरे ने किया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, रात्रि विश्राम हरदा में, कार्यकर्ताओं से चर्चा होगी

हरदा, देशबन्धु। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल आज हरदा जिले का दौरा करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल 7 जून शनिवार को सुबह जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम मानियमउ स्थित माचक नदी के उद्गम स्थल पर पूजन करेंगे। इसके अलावा मंत्री श्री पटेल टिमरनी में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में भी मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे ।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल 6 जून की रात्रि में हरदा आकर सर्किट हाउस हरदा में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन शनिवार 7 जून को सुबह 8 बजे हरदा से रवाना होकर सुबह 10 बजे मानियमउ में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत माचक नदी के उद्गम स्थल पर पूजन करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे टिमरनी में वन विभाग के नीलामी हॉल में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दोपहर 2 बजे पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल टिमरनी से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

वरिष्ठ नागरिक संघ ने किया पौधारोपण, लिया संकल्प

इटारसी, देशबन्धु। विश्व पर्यावरण दिवस के दिन वरिष्ठ नागरिक संघ पुरानी इटारसी के सदस्यों ने चयन कॉलोनी गार्डन में ऑपरेशन सिंदूर की याद को चिरस्थाई बनाने सिंदूर के पौधे सहित आंवला, पीपल, नीम, अनार के पौधे रोपित किए।

इस अवसर पर संघ संरक्षक डॉ अनिरुद्ध कुमार शुक्ला, एपी चौधरी, आरसी वर्मा, अध्यक्ष अशोक दुबे, सचिव जीडी पाटिल के अलावा एसपी गुप्ता, चौहान रामपुर, मुरली मनोहर दीक्षित, दिनेश दुबे, अशोक मालवीय, शिव शंकर चौधरी, संतोष दीवान, संतोष विश्वकर्मा, ओपी सिलोरिया, संजय द्विवेदी, आरएल मौर्य सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

समर्थ परियोजना द्वारा पौधरोपण कर लोगों को बताया महत्व, बोले: यह जिम्मेदारी है

इटारसी, देशबन्धु। ग्राम डांडीवाडा में मध्य प्रदेश समाज सेवा संस्था की समर्थ परियोजना के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम किया गया। इस दौरान ग्राम के लोगों ने पौधरोपण करके पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीएचओ खुशबू राठौर, आशा ममता खंडेलवार, सुपरवाइजर जयवंती खंडेलवार, ब्लॉक लीड तरुण कुमार उपस्थित रहे।

मौसम बीमारियों से ग्रसित मरीज तीन दिन से पंद्रह दिन में ठीक हो रहे हैं। घबराएं नहीं, सतर्क रहें

सचेत हो जाएं, आजकल मौसमी बीमारियों के मरीज बहुतायत में पहुंच रहे हैं अस्पताल

इटारसी, देशबन्धु। यदि आप अपनी सेहत के प्रति फिक्रमंद नहीं हैं तो यह आपके लिए घातक हो सकता है। इन दिनों मौसम के परिवर्तन के साथ बहुत सी बीमारियां पनप रही हैं और बड़ी संख्या में मरीज अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। नगर की प्रायवेट और सरकारी अस्पतालों, क्लीनिकों में विभिन्न बीमारियों के मरीज पहुंच रहे हैं और ये बीमारियां मरीजों की जेब हल्की कर रही हैं।

डाक्टर्स बताते हैं कि मौसम बीमारियों से ग्रसित मरीज तीन दिन से पंद्रह दिन में ठीक हो रहे हैं। ऐसे में लोगों को अपनी सेहत की चिंता करते हुए खानपान और रहन-सहन में अहतियात बरतनी चाहिए, ताकि वे बीमार होने से बचे रह सकें। अकेले सरकारी अस्पतालों में ही हर दिन करीब आठ सौ से एक हजार मरीजों की ओपीडी दर्ज हो रही है। ऐसे में शहर में करीब एक दर्जन से अधिक क्लीनिक, छोटे अस्पताल और करीब आधा दर्जन नर्सिंग होम्स हैं, जहां मरीज पहुंच रहे हैं।

इन बीमारियों के मरीज ज्यादा

मौसम में बदलाव हो रहा है और मौसम के इस संधिकाल में कई प्रकार के रोग पनपते हैं। इनमें उल्टी-दस्त, सर्दी, जुकाम, और फ्ल वायरल संक्रमण हैं जो तापमान में बदलाव और आर्द्रता के कारण फैलते हैं।

मलेरिया, डेंगू, और चिकनगुनिया मच्छर जनित रोग हैं जो मानसून के दौरान बढ़ते हैं, जब मच्छर प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण पाते हैं। टाइफाइड बुखार भी एक जीवाणु संक्रमण है जो दूषित भोजन या पानी के माध्यम से फैलता है। फंगल संक्रमण अक्सर आर्द्र वातावरण में पनपते हैं, जो बारिश के मौसम में अधिक होते हैं। यह संधिकाल स्वास्थ्य के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय हो सकता है, इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए और उचित निवारक उपाय करने चाहिए।

ये रखें सावधानी

हमेशा साफ पानी पिएं और दूषित पानी से बचें, अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखें और मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए जल जमाव से बचें। मच्छरों के काटने से बचने के लिए उचित उपाय करें, जैसे कि मच्छर भगाने वाली दवाएं और मच्छरदानी का उपयोग। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। अगर आपको सर्दी-जुकाम या फ्लू जैसे संक्रमण के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। सादा भोजन करें, गरिष्ठ भोजन से दूरी बनाकर रखें।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

बेटी के हाथ पीले करने को तरस रहे पिता की मदद करने आगे आए हरक सिंह, उठाया विवाह का पूरा खर्च

बैतूल, देशबन्धु। मुलताई ब्लॉक के चिखलीकलां गांव में बुधवार को एक ऐसा विवाह संपन्न हुआ, जो समाज सेवा और समरसता का ऐतिहासिक उदाहरण बन गया। बैतूल निवासी हरक सिंह रघुवंशी, उनकी पत्नी श्रीमती कृष्णा रघुवंशी और सुपुत्र राजा रघुवंशी ने चिखलीकला के एक अत्यंत गरीब परिवार की बेटी आयुष्मती नान्ही का विवाह धूमधाम से करवाया। इस विवाह का पूरा खर्च रघुवंशी परिवार ने उठाया, जिसमें कन्यादान स्वरूप गृहस्थी की सारी सामग्री भी दी गई। जिस बेटी की शादी कराई गई, वह मजदूरी कर जीवनयापन करने वाले दर्शन गिराहरे की इकलौती संतान है। दर्शन गिराहरे के पास न खुद का मकान है और न खेती की जमीन। वे अपनी सास के मकान में रहकर परिवार चला रहे हैं। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि बेटी की शादी करना उनके लिए असंभव था। इस परिस्थिति को देखकर हरक सिंह रघुवंशी और उनके बेटे राजा रघुवंशी ने परिवार से संपर्क किया और बेटी की शादी का पूरा जिम्मा अपने हाथों में लिया। हरक सिंह रघुवंशी ने बताया कि उनके अपने तीनों बच्चों का विवाह हो चुका है और लंबे समय से उनकी इच्छा थी कि किसी दूसरे समाज की गरीब बेटी का कन्यादान करें। वे पिछले एक साल से ऐसे परिवार की तलाश कर रहे थे, जिन्हें सच में मदद की जरूरत हो। जनपद उपाध्यक्ष कमलेश पटेल ने उन्हें दर्शन गिराहरे के परिवार के बारे में बताया, जिसके बाद उन्होंने यह निर्णय लिया। इस विवाह में हर प्रकार से सहयोग दिया गया। लड़की को सोफा सेट, पलंग, पलंग पेंटी, फ्रिज, कूलर, आलमारी, पीतल और तांबे के बर्तन, पूरा किचन सेट, टेंट, भोजन की व्यवस्था और सभी रस्मों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। बेटी नान्ही का विवाह सोनेगांव निवासी गोकुल भादे के पुत्र जितेंद्र के साथ सम्पन्न हुआ।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र को मिला पुरस्कार

बनखेड़ी, देशबन्धु। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी नई दिल्ली द्वारा कृषि विस्तार में उत्कृष्टता के लिए दिए जाने वाले धानुका पुरस्कार 2025 में कृषि विज्ञान केंद्र, गोविंदनगर, नर्मदापुरम को सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्र आई.सी.ए.आर. अटारी जबलपुर

के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह सम्मान अकादमी के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु पाठक द्वारा गुरुवार को जबलपुर में प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह के अवसर पर न्यास के प्रबंधक धर्मेन्द्र गुर्जर एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह पुरस्कार कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर द्वारा किसानों के बीच आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार, नवाचार, प्राकृतिक खेती और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ ग्रामीण विकास हेतु किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। इस उपलब्धि से क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा

पंचायतों से कोई भी अधिकार छीना नहीं जाएगा बशर्ते कर्तव्यों का पालन करें

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पंच सरपंच से कोई भी अधिकार नहीं छीना जाएगा लेकिन पंच सरपंचों का यह प्रमुख दायित्व है कि वह सौपे गए कर्तव्य को पूरा करें। श्री पटेल ने कहा कि पंच और सरपंच यदि ठान ले तो अपनी ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंच और सरपंचों के पास अभी ढाई साल का समय है। इन ढाई सालों में वह अपने ग्राम पंचायत को बेहतर से बेहतर बना सकते हैं। श्री पटेल ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों ने ठीक काम किया उन्हें एक करोड रुपए की राशि दी गई और जिन ग्राम पंचायत ने उत्कृष्ट कार्य करके दिखाया उन्हें 3 करोड रुपए की राशि विकास कार्यों के लिए दी गई। इससे संदेश साफ है की काम करने वाली पंचायतें पुरस्कृत होगी। मंत्री प्रहलाद पटेल शुक्रवार को नर्मदापुरम के जनपद पंचायत प्रांगण में पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वे बोले, सभी पंच एवं सरपंच ग्राम पंचायत को अपने परिवार की तरह चलाएं। 5 वर्ष की अवधि में ग्राम की भलाई के लिए कार्य करें। यदि कोई ग्राम पंचायत भवन 30 से 35 साल पुराना है तो उस भवन को डिस्मेंटल करके पुन: नया नवीन भवन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में ग्राम पंचायत भवन तीन मंजिला होगी इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी लेकिन आज इंजीनियरों ने ऐसी डिजाइन बनाई है कि अब ग्राम पंचायत भवन तीन मंजिला बनाई जा सकती है। पंचायत भवन बनाने के लिए 15 लाख रुपए की राशि दी जाती थी जिसे बढाकर 25 लाख किया गया और अब वर्तमान में 37.50 लाख रुपए की राशि से पंचायत भवन बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 500 की आबादी में प्रधानमंत्री सड़क बनाई जाती थी लेकिन अब यदि उन ग्राम पंचायत में सहरिया, बैगा, भारिया आबादी है तो 100 की आबादी में भी प्रधानमंत्री सड़क बनाई जा रही है।

पौधरोपण अभियान नर्मदा के नाम पर समर्पित होगा

मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जुलाई और अगस्त माह में वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा, यह सभी पौधे तार फेंसिंग के अंदर लगाए जाएंगे और इसे बृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम को मां नर्मदा के नाम पर समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पंच एवं सरपंच कि यह प्रमुख जिम्मेदारी है कि वह पौधा लगाए और उसे जिंवित रखें। नदी और नालों में डल रहे कचरा एवं मैला को रोकना पंच सरपंच की प्रमुख चुनौतियां हैं। पंच सरपंचों का यह प्रमुख कार्य है कि वह नदी और नालों को स्वच्छ एवं साफ रखें और लोगों को सफाई के लिए प्रेरित करें।

नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए बनाए जाएंगे आश्रय भवन

पटेल ने बताया कि आने वाले दिनों में प्रत्येक 20 किलोमीटर पर सदा व्रत वालों एवं नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए आश्रय स्थल के रूप में भवन बनाए जाएंगे। जहां नर्मदा परिक्रमा वासी विश्राम कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 247 स्थान पर भी तार फेंसिंग लगाकर पौधारोपण किया जाएगा। इसके पूर्व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर पंच सरपंच सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे एवं उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू लता पटेल ने मंत्री प्रहलाद पटेल को अनाज के दानों से बना चित्र भेंट किया। पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने कहा कि जनपद पंचायत नर्मदापुरम बेहतर कार्य कर रहें है। मंत्री श्री पटेल ने जिले को प्रधानमंत्री आवास, मंगल भवन एवं ग्राम पंचायत भवन की सौगात दी है। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि मंत्री श्री पटेल ने ग्राम पंचायतों को पंचायत भवन, प्रधानमंत्री आवास, मंगल भवन की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि सभी जनपद पंचायत के सदस्य एवं जिला पंचायत के सदस्य अपनी अपनी जनपद व ग्राम एवं जिले को श्रेष्ठ बनाने के लिए कार्य करें। सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने कहा कि पहले एक पंचायत भवन 18 लाख रुपए की लागत से बनता था लेकिन अब 37.50 लाख रुपए की लागत से पंचायत भवन बनाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग बडा मंत्रालय है। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में भी चार पंचायत भवन एवं प्रधानमंत्री आवास की सौगात मिली है। इसके पूर्व स्वागत भाषण देते हुए जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अध्यक्ष भूपेन चौकसे ने कहा कि नर्मदा पूरा जनपद पंचायत में 50 प्रधानमंत्री आवास, 10 पंचायत भवन एवं विभिन्न योजनाओं की अनुग्रह सहायता राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत अच्छी तरह चल रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री श्री पटेल का हर समय सहयोग प्राप्त होता है। इस अवसर पर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती राधा सुधीर पटेल, मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती मंजूलता पटेल, आशुतोष तिवारी, शंभू सिंह भाटी एवं अन्य जनपद सदस्यगण तथा जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

छोटी नदियां बारहमासी बहेंगी तभी नर्मदा जैसी बड़ी नदी को बचा पाएंगे : प्रहलाद पटेल

हम एक पौधा अपने लिए नहीं, अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए लगाएं

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने शुक्रवार को जनपद पंचायत केसला के ग्राम गोलन दोह में हाथेड नदी के उद्गम स्थल पर पूजा अर्चना की। उन्होंने जल देवता को पुष्प नारियल एवं हवन सामग्री अर्पित की और विधि विधान से जल देवता की पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज जल का संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय है, यदि हम जल का संरक्षण नहीं करेंगे, जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित नहीं करेंगे तो हमारी जल संरचनाएं धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी और हम बूंद बूंद पानी के लिए वंचित हो जाएंगे। श्री पटेल ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम छोटी-छोटी नदियों को बारहमासी बहने योग्य बनाएं तभी हम नर्मदा जैसी बड़ी नदी को बचा पाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरे आराध्य ने कहा था कि जहां पर नदियों का, वृक्षों का एवं मनुष्य का संगम होता है वहां पर जीवन का सृजन होता है। वहां पर जीवन की संभावना होती है। जहां-जहां नदियों का उद्गम होता है चाहे वह दुर्गम क्षेत्र हो चाहे वन क्षेत्र हो वहां पर एक अभूतपूर्व ऊर्जा का संचार होता है, जो भी व्यक्ति नदियों के समीप पहुंचते हैं उन्हें बाकी मनुष्यों की तुलना में दुगुनी ऊर्जा प्राप्त होती है।

सभी को हाथेड नदी का पानी चाहिए। हाथेड़ नदी का पानी पेयजल एवं सिंचाई के काम आता है लेकिन लोगों को यह चिंता नहीं है कि हाथेड में पानी कहां से आए। श्री पटेल ने कहा कि हम मनुष्यों का स्वभाव है कि हम पौधे तो लगाते हैं लेकिन फिर पलट कर नहीं देखते कि वह जीवित है कि नहीं। पौधों को 3 वर्ष तक विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। इसके पश्चात पौधा खुद ही सरवाइव कर लेता है। पहले हमारे पूर्वजों ने पौधा लगाकर उसकी पर्याप्त देखभाल की थी और यह पौधे आज भी हमें शीतल छाया और फल देते हैं। एक पौधा यदि 6 से 7 वर्ष की उम्र पा ले तो फिर उसे किसी मनुष्य की देखभाल की आवश्यकता नहीं, फिर वह आपको छाया भी देगा, लकड़ी भी देगा, फल भी देगा और पानी की बूंदे भी देगा। श्री पटेल ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अधिक से अधिक पौधरोपण करें और पौधों की देखभाल भी करें।

हाथेड नदी के उद्गम स्थल गोलन दोह में पूजा अर्चना के दौरान सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, सुधीर पटेल, अनिल बुंदेला सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण एवं एसडीएम इटारसी प्रतिक राव सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

रेन गेज की कार्यशाला होगी, जलस्तर पर रहेगी नजर

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभाग के संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभाग के तीनों जिलों नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल में संभावित बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में तीनों जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने निर्देशित किया कि चिन्हित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की अद्यतन जानकारी समय-समय पर एकत्रित की जाए। उन्होंने बाढ़ से निपटने के लिए तीनों जिलों में मोटर बोट, इमरजेंसी लाइट, डाइविंग सूट जैसे आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में रेन गेज की कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए ताकि वर्षा की सटीक जानकारी समय पर प्राप्त हो सके। वर्षा काल के दौरान बांधों, नदियों और नालों में जलस्तर की निगरानी के साथ ही वर्षा की कुल मात्रा की स्पष्ट जानकारी संग्रहित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की वर्षा काल में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए संबंधित विभागों में आपसी सूचना तंत्र मजबूत रखा जाए।

कलेक्टर्स को दिए जरूरी दिशा निर्देश

संभागायुक्त ने तीनों जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति उत्पन्न करने वाली संरचनाओं की शीघ्र सफाई और मरम्मत कराई जाए। इसके साथ ही, जर्जर शासकीय एवं अशासकीय भवनों, विद्यालयों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यकतानुसार डिस्मेंटल किया जाए ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। खुले हुए बोरवेल एवं कुओं को भी तत्काल बंद करवाया जाए।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि वर्षा जनित रोगों की रोकथाम के लिए अलर्ट मोड पर रहें तथा आवश्यक दवाओं एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। तीनों जिलों में नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना के निर्देश भी दिए गए ताकि बाढ़ की स्थिति पर 24×7 निगरानी रखी जा सके। पशुधन की संभावित हानि को देखते हुए पशु चिकित्सा विभाग को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने कहा कि सभी जिलों में शीघ्र आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर आगामी कार्य योजना तैयार की जाए ताकि बाढ़ आपदा से जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। बैठक के दौरान पुलिस महान निरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रशांत खरे, कलेक्टर सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरन सिंह, उपयुक्त राजस्व गणेश जायसवाल एनआईसी कक्ष तथा कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन, बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ऑनलाइन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शासन की योजनाओं की जानकारी जिन्हें चाहिए वो खुद नहीं पहुंचे: वर्मा

बैतूल, देशबन्धु। मप्र शासन के केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नन्दकिशोर वर्मा द्वारा बैतूल प्रवास के दौरान समाज की बैठक जेएच कॉलेज के सभाकक्ष में ली गई। कार्यक्रम एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, नगरपालिका सीएमओ की उपस्थित और समाजसेवी राजीव खण्डेलवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। पूर्व केश शिल्पी सदस्य भीम जयसिंगपुरे द्वारा नंदकिशोर वर्मा का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व केश शिल्पी सदस्य शिवनंदन श्रीवास द्वारा दिया गया। एमएल बघेले ने सर्व सेन समाज कल्याण एवं विकास समिति के दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां बताई गई। केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की जिला इकाई की ओर से शिवनंदन श्रीवास ने सुविधाओं की जानकारी दी। समिति के अध्यक्ष रमेश बोरखड़े ने समाज की एकता व स्वाभिमान से जीने का आह्वान करते हुए सेन मंदिर निर्माण मे उत्पन्न व्यवधान व निराकरण के लिए प्रशासन से और मंत्री से पहल कर सहयोग देने का आग्रह किया। राजीव खण्डेलवाल ने कहा कि समाज की एकता और संगठित रहने पर सब समस्याएं स्वयं हल हो जाती है। नंदकिशोर वर्मा ने केश शिल्पी बंधुओं की कम उपस्थिति पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की केश शिल्पियों कल्याण के लिए अनेक योजनाओं की जानकारी जिन्हें चाहिए थी वे ही लोग आज उपस्थित नहीं हुए है। उन्होंने उपस्थित सेन समाज के लोगों को शासन की अनेक योजनाओं की जानकारी दी ।

40 साल की सेवा फिर भी प्रमोशन नहीं, सेवा का सम्मान पाने को वर्षों से संघर्षरत शिक्षक

बैतूल, देशबन्धु। जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षाकों को आखिरकार वर्षों पुरानी अपनी सबसे बड़ी मांग पूरी होने की उम्मीद जगी है। बैतूल जिले के सैकड़ों सहायक शिक्षक, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक जो बीते 35-40 वर्षों से बिना किसी प्रमोशन के सेवा दे रहे हैं, उन्हें अब उच्च प्रभार पदनाम का सम्मान मिलने जा रहा है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बैतूल श्रीमती शिल्पा जैन ने स्पष्ट किया है कि स्थानांतरण सूची से पहले सहायक शिक्षकों को उच्च प्रभार पदनाम के आदेश इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे।

इस संबंध में शुक्रवार 6 जून को शिक्षक संगठनों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षक महासंघ बैतूल के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री नारायण सिंह नगदे, पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष रवि सरनेकर, आदर्श शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कटारे के नेतृत्व में सहायक आयुक्त से मिला। बैठक में शिक्षकों को भरोसा दिया गया कि वर्षों से लंबित इस मांग पर विभाग गंभीर है और काउंसलिंग प्रक्रिया इसी सप्ताह पूर्ण कर ली जाएगी।

शिक्षकों ने विधायक हेमंत खंडेलवाल से भी मुलाकात की थी और अपनी पीड़ा साझा की थी कि इतने लंबे सेवाकाल के बावजूद उन्हें एक भी प्रमोशन नहीं मिला है। शिक्षकों का कहना है कि यह प्रशासनिक अनदेखी के साथ उनकी सेवा का अपमान है।

संभागीय स्तर पर लंबित प्राथमिक शिक्षकों के आदेश भी जल्द

बैतूल जिले के प्राथमिक शिक्षकों का उच्च प्रभार पदनाम आदेश संभागीय आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम से जारी होना है। सहायक आयुक्त कार्यालय बैतूल द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्ण कर आदेशों की संस्तुति नर्मदापुरम भेज दी गई है। इस संबंध में नारायण सिंह नगदे, रवि सरनेकर व राजेंद्र कटारे ने बताया कि अब शिक्षकों का दल स्वयं नर्मदापुरम जाकर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के आदेश करवाने के लिए संकल्पित है।

प्रदेशभर में हो चुके हैं आदेश, बैतूल अब तक इंतजार में

प्रदेश के कई जिलों शहडोल, जबलपुर, झाबुआ, रतलाम, नर्मदापुरम, खरगोन, अलीराजपुर, इंदौर, बड़वानी और धार में उच्च प्रभार पदनाम के आदेश पहले ही जारी हो चुके हैं। बैतूल जिले के शिक्षक लगातार प्रयासरत रहे लेकिन अब तक आदेश जारी नहीं हुए थे। इस बीच 24 जुलाई 2023 को प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग ने आयुक्त भोपाल को स्पष्ट आदेश जारी किए थे, लेकिन उन पर जिले में अमल नहीं हो सका।

शिक्षकों की बात: शासन को नहीं पड़ता आर्थिक भार, फिर क्यों देर

शिक्षकों का यह भी कहना है कि यह पदनाम सिर्फ प्रशासनिक सम्मान है, इससे शासन पर कोई अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं आता। फिर भी इतने वर्षों की सेवा के बाद पदोन्नति के बिना रिटायर होना अपमानजनक लगता है। कई शिक्षक ऐसे हैं जो सेवानिवृत्त होने की कगार पर हैं और अभी तक उन्हें सेवा का वह सम्मान नहीं मिल सका है, जिसके वे हकदार हैं।

शिवराज सरकार में शुरू हुई थी प्रक्रिया

शिक्षक संगठनों का कहना है कि वर्ष 2012 से 2024 तक कई बार सरकार को ज्ञापन व आंदोलन के माध्यम से इस विषय में जागरूक किया गया था। इसके परिणामस्वरूप पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में उच्च प्रभार पदनाम प्रक्रिया की शुरुआत हुई थी। अब जब बैतूल जिले में सहायक आयुक्त द्वारा इसे लागू करने का भरोसा दिलाया गया है, तो शिक्षकों की उम्मीदें फिर से जागी हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/लो.नि.शा./ई./2652 से 2656 बैतूल दिनांक 30.05.2025

ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना

(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्रं.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_427551_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM MAYUR WAMANKAR HOUSE TO PAWAR HOUSE IN PATEL WARD BETUL	1- 55 Days 2- 1389339/-	1- 2000/- 2- 10400/-	30/06/2025
2	2025_UAD_427552_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND RCC DRAIN FROM SANTOSH SAHU GENDA CHOWK TO SUKHI CHOWK IN SHASHTRI WARD BETUL	1- 55 Days 2- 1477813/-	1- 2000/- 2- 11100/-	30/06/2025
3	2025_UAD_427553_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND RCC DRAIN FROM DIFFERENT LOCATION IN JAKIR HUSAIN WARD BETUL	1- 60 Days 2- 2196526/-	1- 5000/- 2- 16500/-	30/06/2025
4	2025_UAD_427554_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND RCC DRAIN FROM RAJ KIRANA STORE TO GOLU PRAJAPATI HOUSE IN ARJUN WARD BETUL	1- 60 Days 2- 2281534/-	1- 5000/- 2- 17100/-	30/06/2025
5	2025_UAD_427555_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND WEARING COAT IRPACHE TO DILIP AND AS PER TS IN PRATAP WARD BETUL	1- 60 Days 2- 2299973/-	1- 5000/- 2- 17200/-	30/06/2025

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/nicgep/app की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल

अभिमत

हमने कचरा संस्कृति को अपना लिया है। चाहे जितना ही कचरा साफ करो, कचरा पैदा होता ही रहेगा। यूथ एंड थ्रो (इस्तेमाल करो और फेंको) की संस्कृति ही कचरा संस्कृति है। हम कोई भी दुकान देखें, वहां छोटी छोटी थैलियां, पॉलीथीन पैक इत्यादि टंगे रहते हैं। इन सबके कारण हमारी नदियां, झीलें, तालाब सभी प्रदूषित हो रहे हैं। मिट्टी-पानी भी प्रदूषित हो रहा है। हम लोग बचपन में देखते थे। कोई ज्यादा कचरा नहीं होता था। जो भी कचरा पैदा होता था, उससे जैव खाद बनाई जाती थी, जिससे खेतों की मिट्टी उर्वरक बनती थी।

धरती का ख्याल रखना जरूरी है

नवाचार

■ बाबा मायाराम

मौजूदा समय में पर्यावरण का संकट सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। पर्यावरण, का जो नुकसान हमने पिछले कुछ दशकों में किया है, वह इसके पहले सैकड़ों सालों में नहीं हुआ। जो नदियां सदियों से बहती रहीं, कुछ ही सालों में सूख गईं, जो धरती सबका पालन-पोषण करती रही, उसकी जीवनदायिनी क्षमता खतरे में है। मिट्टी-पानी का प्रदूषण हो रहा है।

दो दिन पहले 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस था, यह हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि कैसे हम पर्यावरण को बचाएं, कैसे उसका संरक्षण करें, आज के इस कॉलम में इस पर ही चर्चा करना उचित रहेगा, जिससे इस दिशा में हम कुछ मिलकर कर सकें।

मैं यहां पर्यावरण किस तरह संकट में है इसको बताने की कोशिश नहीं करूंगा, क्योंकि यह तो सर्वविदित है। हमारी सदानीरा नदियां प्रदूषित हो रही हैं, जंगल कम हो रहे हैं, खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो रही है, हवा प्रदूषित हो रही है, भूजल नीचे खिसक रहा है इत्यादि। बहुत ही ऐसे संकट आ रहे हैं, जो कुछ दशक पहले तक नहीं थे।

लेकिन कई लोग कह सकते हैं, यह तो वैश्विक समस्या है, इसमें हम क्या कर सकते हैं। यह वैश्विक समस्या है पर इसका असर स्थानीय स्तर पर होता है। इसे कुछ हद तक स्थानीय स्तर पर कम किया जा सकता है। जैसे इस पर्यावरण दिवस की थीम है, प्लास्टिक प्रदूषण। हम देखते हैं कि हमारे शहर की नालियां, सड़कें प्लास्टिक कचरे से पटे पड़े हैं। यह देर हमें इससे निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई करने के लिए संदेश देता है, प्रेरित करता है।

मैं जब कभी ट्रेन की यात्रा करता हूं, एक चीज बहुत खटकती है, वह है रेल पटरियों के दोनों ओर पॉलीथीन, पानी की बोतलें बिखरी पड़ी दिखती हैं। जहां तक नजरें जाती हैं, यही दिखता है। इसी तरह, सड़कों के दोनों ओर कचरा पड़ा रहता है। सब्जी, दूध या किराना सामान लेने के लिए पॉलीथीन का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे कचरा होता रहता है। शहरों व कस्बों में रोजाना कचरे की गाड़ी कचरा उठाकर ले जाती है। कर्मचारी इसके लिए मेहनत करते हैं। लेकिन दूसरे दिन उतना ही कचरा फिर हो जाता है। यह क्रम बना रहता है।

यानी हमने कचरा संस्कृति को अपना लिया है। चाहे जितना ही कचरा साफ करो, कचरा पैदा होता ही रहेगा। यूथ एंड थ्रो (इस्तेमाल करो और फेंको) की संस्कृति ही कचरा संस्कृति है। हम कोई भी दुकान देखें, वहां छोटी छोटी थैलियां, पॉलीथीन पैक इत्यादि टंगे रहते हैं। इन सबके कारण हमारी नदियां, झीलें, तालाब सभी प्रदूषित हो रहे हैं। मिट्टी-पानी भी प्रदूषित हो रहा है।

हम लोग बचपन में देखते थे। कोई ज्यादा कचरा नहीं होता था। जो भी कचरा पैदा होता था, उससे जैव खाद बनाई जाती थी, जिससे खेतों की मिट्टी उर्वर बनती थी। गांवों में पशु होते हैं, गोबर—गोमूत्र होता है, उससे गोबर खाद बनती थी। खेतों में अच्छी फसलें होती थीं।

मुझे कई आदिवासी गांवों में जाने का मौका मिला है। उनके घर व गांव बहुत ही साफ सुथरे होते हैं। कुछ जगहों पर अब भी सरई पत्तों की पत्तल व दोने में खाना खाया जाता है। गाय उन पत्तों को खा लेती है। प्लेट का इस्तेमाल नहीं किया जाता, जिससे पानी की बचत होती है। यानी वहां कचरा पैदा नहीं होता। वे प्रकृति से उतना ही लेते हैं, जितनी उनको जरूरत है। इससे ज्यादा नहीं।

इसी प्रकार, हमें मिट्टी-पानी, देसी बीजों के संरक्षण की अच्छी परंपराओं से सीखना चाहिए। संकर बीजों के आने से अधिकांश देसी बीज लुप्त हुए हैं। लेकिन अब भी कई जगहों पर किसान, समूह और स्वयंसेवी संस्थाएं देसी बीजों की खेती के संरक्षण व संवर्धन में लगे हैं।

उत्तराखंड के बीज बचाओ आंदोलन ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है। इसके प्रणेता विजय जड़धारी हैं। उन्होंने मुझे बताया कि बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है, पर इसके अंतर्गत बारह अनाज ही नहीं बल्कि दलहन, तिलहन, शाक-भाजी, मसाले व रेशा शामिल हैं। इसमें 20-22 प्रकार के अनाज होते हैं।

इन अनाजों में कोदा (मंडुआ), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, जख्या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि।

विजय जड़धारी बताते हैं कि मंडुआ बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है।

इसी प्रकार, उन्होंने उनके जड़धार गांव के उजड़ चुके जंगल को भी हरा-भरा कर दिया। इसके लिए जंगल को आराम दिया, यानी उसकी रखवाली की। इसमें उन्हें पूरा गांव का सहयोग मिला। अब यह जंगल इतना घना हो गया कि सूर्य की किरणें दिखाई नहीं देतीं। कई तरह के पक्षियों का आवास भी बन गया।

बीज बचाने का काम देश के कई इलाकों में किया जा रहा है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का काम सराहनीय है। आज यहां धान की 450 किस्में संग्रहीत हैं जिनमें 65 सुगंधित, 30 लाल चावल वाली, 40 जल्द पकने वाली, 2 किस्में काले चावल की। और बाकी 110-115 दिन की मध्यम अवधि में पकने वाली किस्में हैं। इसके अलावा मडिया की 6, कांग 2, ज्वार 1, मक्का 2 और अरहर की 9 किस्में हैं। चना, अलसी, कुसुम, मटर, भिंडी, उड़द आदि देशी किस्में भी हैं।

रंग-बिरंगे देशी बीज न केवल सौंदर्य से भरपूर हैं बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ हैं। औषधि गुणों से सम्पन्न हैं और स्थानीय मिट्टी पानी और हवा के अनुकूल हैं।

आखिर मनुष्य ने ही जंगलों से तरह-तरह की फसलों के गुणधर्मों की पहचान कर खेतों में उन्हें उगाया है और इसी के परिणामस्वरूप आज हम बीजों के मामले में समृद्ध हैं। लेकिन आज हमने देशी बीजों की संपदा खो दी है, इसी को संजोने व संवारने का प्रयास जन स्वास्थ्य सहयोग में किया जा रहा है।

संस्था के कार्यकर्ता होमप्रकाश साहू बताते हैं कि रासायनिक खेती के कारण ज़मीन की उर्वरा शक्ति कमजोर होती जा रही है और उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु खत्म होते जा रहे हैं। बेजा रासायनिक खाद के इस्तेमाल से ज़मीन सख्त होती जा रही है। भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए मिश्रित फ़सलों को खेतों में बोया जाता है। यह परंपरागत तरीका है। देश के कई इलाकों में अलग-अलग तरह की मिश्रित फसलें होती हैं।

इसके अलावा, हरी खाद ढनढनी, सन, सोल, चरौरा को भी बोकर फिर मिट्टी में सड़ा दिया जाता है, जिससे ज़मीन उत्तरोत्तर उर्वर बनती जाती है। उन्होंने बताया कि इस भाटा कमजोर ज़मीन को हरी खाद से ही उर्वर बनाया है। यानी देसी बीजों की जैविक खेती से मिट्टी पानी का संरक्षण भी होता है। अनाज भी पौष्टिक व स्वादिष्ट मिलता है।

कुल मिलाकर, हमें अब मिट्टी-पानी का संरक्षण करना जरूरी है। कचरा कम से कम पैदा हो, या न हो, यह ख्याल भी रखना जरूरी है। हमें चीजों को बापरने का सलीका भी सीखना होगा। यूज एंड थ्रो संस्कृति की बजाय पुरानी चीजों को भी इस्तेमाल करने पर जोर देना होगा। इस संदर्भ में मुझे बुद्ध की कहानी याद आ रही है, जिससे हम कुछ सीख सकते है:-

एक दिन बुद्ध अपने मठ में मठवासियों के साथ बैठे बात कर रहे थे। तभी एक भिक्षु ने नए अंगरखे के लिए इच्छा जताई। बुद्ध ने पूछा- तुम्हारे पुराने अंगरखे का क्या हुआ?

-'वह बहुत फटा पुराना हो गया है। इसलिए मैं उसे अब चादर के रूप में इस्तेमाल कर रहा हूं।'

-बुद्ध ने फिर पूछा- पर तुम्हारी पुरानी चादर का क्या हुआ?

-गुरूजी, वह चादर पुरानी हो गई थी, वह इधर-उधर से फट गई थी, इसलिए मैंने उसे फाड़कर तकिया का खोल बना लिया।' भिक्षु ने कहा।

बेशक तुमने तकिया का नया खोल बना लिया, लेकिन तुम ने तकिया के पुराने खोल का क्या किया? बुद्ध ने पूछा

-गुरूजी, तकिये का गिलाफ सर घिस-घिस कर फट गया था और उसमें एक बड़ा छेद हो गया था. इसलिए मैंने पायदान बना लिया।'

बुद्ध हर चीज़ की गहराई से तहकीकात करते थे. उस जवाब से भी वे संतुष्ट नहीं हुए।

-गुरूजी, पायेदान भी पैर रगड़ते-रगड़ते फट गया. - एकदम तार-तार हो गया. तब मैंने उसके रेशे इकट्ठे करके उनकी एक बाती बनाई. फिर उस बाती को तेल के दीये में डाल कर जलाया।'

भिक्षु की बात सुन कर बुद्ध मुस्कराए। फिर उस सुपात्र को बुद्ध ने एक नया गरम अंगरखा दिया। यह कहानी आज भी प्रासंगिक है क्योंकि उपभोक्तावादी संस्कृति इस्तेमाल करो और फेंको (यूज-एंड-थ्रो) की संस्कृति को बढ़ावा देती है। जो कचरा पैदा करती है। हमें पर्यावरण को बचाने के लिए ऐसी सादगीपूर्ण जीवनशैली की ओर मुड़ना होगा, जिसमें कचरा ही पैदा न हो। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

देशी बीज न के वल सौंदर्य से भरपूर हैं बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ हैं। औषधि गुणों से सम्पन्न हैं और स्थानीय मिट्टी पानी और हवा के अनुकूल हैं। आखिर मनुष्य ने ही जंगलों से तरह-तरह की फसलों के गुणधर्मों की पहचान कर खेतों में उन्हें उगाया है और इसी के परिणामस्वरूप आज हम बीजों के मामले में समृद्ध हैं। लेकिन आज हमने देशी बीजों की संपदा खो दी है, इसी को संजोने व संवारने का प्रयास जन स्वास्थ्य सहयोग में किया जा रहा है।

बीता सप्ताह

31 मई
- फिलीपींस के राष्ट्रपति रोमुअलडेज मार्कोस ने मा. थेरेसा लाजारो को नया विदेश मंत्री चुना है।
- दो भारतीय शांति सैनिक ब्रिगेडियर अमिताभ झा और हवलदार संजय सिंह मरणोपरांत डेग हैयरशॉल्ड मेडल से सम्मानित हुए।
- इजरायल ने अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार किया।
- चीन के थ्येनवन-2 ग्रह डिटेक्टर का सफल परीक्षण किया।

1 जून
- सीडसएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) अनिल चौहान ने मानी लड़ाकू विमान गिरने की बात।
- हेर स्पीच मामले में यूपी कोर्ट अब्बास अंसारी को 2 साल की सजा सुनाई। वे मऊ सीट से विधायक थे।
- ऑपरेशन शिल्ड के तहत जम्मू कश्मीर समेत 6 राज्यों में सेना द्वारा की गई मॉकड्रिल।
- उप्र क्रिकेट संघ के निदेशक रह चुके युद्धवीर सिंह को भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में मेनेजर बनाया गया।

2 जून
- पूर्वात्तर राज्यों में बारिश के कहर से 32 लोगों की मौत हो गई।
- उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी भड़काऊ भाषण मामले में खत्म कर दी गई।
- पांच नए देश चीन ब्राजील, अर्जेंटीना, चिली, पेस और उरूग्वे के लोग चीन में बीजा मुक्त यात्रा कर सकेंगे।
- अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और कोच प्रतिमा बरवा का निधन हो गया।

3 जून
- लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि छग में लोक जनशक्ति पार्टी का विस्तार किया जाएगा।
- केन्द्र सरकार के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बदलाव करते हुए कहा कि अब एटीएम-यूपीआई से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा।
- राज्यसभा के आठ सीटों के लिए चुनाव के लिए अधिसूचनाएं जारी की गई।
- पोलैंड के राष्ट्रपति चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार करोल नवरोकी चुनाव जीत गए।

4 जून
- विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने की बैठक मोदी को लिखा पत्र और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद सत्र बुलाने की मांग।
- कन्नड़ भाषा पर दिए फिल्म अभिनेता कमल हासन को कर्नाटक हाइकोर्ट ने लगाई फटकार कहा आप होंगे कमल हासन पर अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं कर सकते।
- दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए हो रहा कल से मतदान।
- 17 साल बाद आरसीबी ने जीता पहली बार आईपीएल खिताब।

5 जून
- बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की जीत की जश्न में हुइ भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई।
- केन्द्र सरकार ने कहा कि जाति जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहला चरण सितम्बर में और दूसरा चरण फरवरी 26 में।
- छत्तीसगढ़ की शुखबू नाग ने एनपीसी वर्ल्ड वाइड बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में जीता कास्य पदक।
- आस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री एवं रक्षामंत्री, रिचई मार्लेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

6 जून
- बेंगलुरू भगदड़ मामले में आरसीबी सहित 3 के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ।
- टाटा ग्रुप और दसॉल्ट के बीच हुआ समझौता, भारत में बनेगी राफेल फाइटर जेट की बॉडी।
- इंडोनेशिया में बैन होगी पानी की छोटी प्लास्टिक बोतले।
- ऑपरेशन सिंदूर पर अभिनेताओं पर टिप्पणी करने वाली छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी।

मौजूदा संकट पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना बहुत ज़रूरी

■ पी सुधीर

'खून नहीं, बल्कि सिंदूर मेरी रगों में बह रहा है' – प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द ऑपरेशन सिंदूर के बाद के अभियान की शुरुआत करने की उनकी खास शैली को दर्शाते हैं। देश के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के जवाब में वह या उनकी सरकार और कर भी क्या कर सकती थी। पारदर्शिता और आत्मनिरीक्षण इस सरकार की कभी खासियत नहीं रही। मोदी सरकार की विदेश नीति की रणनीति प्रधानमंत्री को केंद्रीय व्यक्ति के रूप में पेश करने पर बहुत ज़्यादा निर्भर रही है, जो सुसंगत कूटनीति को आगे बढ़ाने के बजाय एक व्यक्तित्व पंथ को विकसित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व को विदेश नीति के अगुआ के रूप में स्थापित करने से पारंपरिक कूटनीतिक ज्ञान को उलट दिया गया है, और स्थापित कूटनीतिक परंपराओं से स्पष्ट रूप से यह अलग होने का संकेत है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत की विदेश नीति इसकी घरेलू नींव में निहित रही है- जिनमें शामिल हैं इसके जीवंत संसदीय लोकतंत्र का लचीलापन, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद से प्रेरित विविधता में एकता, और सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता। इन सिद्धांतों ने वह आधार बनाया जिसने राष्ट्रों के समुदाय में भारत की स्थिति को ऊंचा किया। समान नागरिकता पर आधारित विविधता में एकता भारतीय गणराज्य की एक परिभाषित पहचान रही है।

दुख की बात है कि अब इस विरासत को कमज़ोर किया जा रहा है। छवि-केंद्रित, व्यक्ति-संचालित कूटनीति को व्यवस्थित और सिद्धांतबद्ध विदेश नीति के विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन यह दृष्टिकोण अस्थिर है – खासकर भारत जैसे देश के लिए, जिसका वैश्विक कद दशकों में बना है, जो उपनिवेशवाद-विरोधी राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में इसके विकास पर आधारित है। हिंदुत्ववादी ताकतों और आरएसएस के वैचारिक डीएनए का हिस्सा है कि वे खुद को इस विरासत से दूर रखें। पहलगाम हत्याकांड के बाद, सरकार को आखिरकार एक सर्वदलीय बैठक के दौरान यह स्वीकार करना पड़ा कि 'सुरक्षा चूक' हुई थी। लेकिन यह स्वीकारोक्ति बहुत कम और बहुत देर से हुई। अब भी, सरकार उस चूक की प्रकृति और दायरे के बारे में स्पष्ट रूप से बताने में विफल रही है।

पहलगाम हत्याओं और सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों की व्यापक परिचालन योजनाओं के बारे में विस्तृत दस्तावेज़ीकरण की कमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मामला और कमज़ोर हो गया है। जबकि घरेलू आबादी पाकिस्तान के इरादों के बारे में आश्वस्त हो सकती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राय को आश्वस्त करने के लिए कहीं अधिक कठोर साक्ष्य और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है।

सिंगापुर में सुरक्षा वार्ता के दौरान बोलते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दिवसीय टकराव के दौरान विमान के नुकसान की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। इस तरह के अपर्याप्त स्पष्टीकरण विफलता की पूरी सीमा को बताने में विफल रहते हैं। मोदी सरकार के 11 साल के रिकॉर्ड – खासकर अनुच्छेद 370 को निरस्त करने – को मौजूदा संकट को देखते हुए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 को खत्म करने और विलय के साधन को आधार देने वाले ऐतिहासिक तथ्यों को खारिज करने से जम्मू और कश्मीर के भारतीय संघ में एकीकरण की विरासत कमजोर हुई है। इससे भी गंभीर बात यह है कि इसने जम्मू और कश्मीर के लोगों – खासकर घाटी में – द्वारा सीमा पार आतंकवाद का विरोध करने में निभायी गयी महत्वपूर्ण भूमिका को मिटा दिया है।

पहलगाम की घटना के बाद यह बात एकदम स्पष्ट हो गयी है। घाटी भर में लोग हत्याओं के विरोध में सड़कों पर उतर आये, लेकिन जन एकता का यह शक्तिशाली प्रदर्शन, जो एक बहुत ही सकारात्मक घटनाक्रम है, सरकार द्वारा न तो स्वीकार किया गया और न ही इसकी सराहना की गयी। इसके बजाय, हमले में कश्मीरी लोगों को ही शामिल करने का प्रयास किया गया – जिससे सरकार की असली मंशा और सही वैचारिक रुझान का पता चलता है। संविधान में निहित लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को कायम रखने वाली सरकारों के द्विदलीय दृष्टिकोण की जगह अब गहरे ध्रुवीकरण ने ले ली है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रखा जा सकता। शांति की सच्ची इच्छा उद्देश्य की स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाले कार्यों में परिलक्षित होनी चाहिए। विदेश नीति और कूटनीति अलग-थलग प्रयास नहीं हैं; वे घरेलू नीतियों का विस्तार हैं। पिछले 11 वर्षों में हुए घटनाक्रम – जिसमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लोकतांत्रिक और अल्पसंख्यक अधिकारों का क्षरण शामिल है – को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर आज के परस्पर जुड़े, सूचना-संचालित वैश्विक परिदृश्य में।

एक नागरिक अधिकार समूह की एक तथ्य-खोजी रिपोर्ट ने पहलगाम हमलों के बाद 184 मुस्लिम विरोधी घृणा अपराधों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें व्यापक रूप से मुसलमानों और विशेष रूप से कश्मीरियों को निशाना बनाया गया। ये घटनाएं लगातार जारी रहीं।

पहलगाम हत्याओं और सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों की व्यापक परिचालन योजनाओं के बारे में विस्तृत दस्तावेज़ीकरण की कमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मामला और कमज़ोर हो गया है। जबकि घरेलू आबादी पाकिस्तान के इरादों के बारे में आश्वस्त हो सकती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राय को आश्वस्त करने के लिए कहीं अधिक कठोर साक्ष्य और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है।

स्पष्टता का एक दुर्लभ क्षण पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवाने से आया, जिन्होंने टिप्पणी की, 'युद्ध रोमांटिक नहीं है। यह आपकी बॉलीवुड फिल्म नहीं है। यह बहुत गंभीर मामला है... हालाँकि युद्ध हम पर नासमझ लोगों द्वारा थोपा जा सकता है, लेकिन हमें इसका स्वागत नहीं करना चाहिए।' उन्होंने तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि शांतिपूर्ण वार्ता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राजनयिक संपर्क प्रयास के तहत, विभिन्न दलों के 59 सांसदों को पहलगाम घटना पर भारत सरकार की स्थिति को बताने के लिए विदेशी सांसदों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक और मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए 32 देशों में भेजा गया था। फिर भी, उल्लेखनीय रूप से, इनमें से कोई भी देश भारत के निकटतम पड़ोसी देश से नहीं था। यह कूटनीतिक प्रयास प्रधानमंत्री की घरेलू बयानबाजी के बिल्कुल विपरीत था, जिसमें उनका दावा था कि 'उनकी रगों में खून नहीं, बल्कि सिंदूर बहता है' और यह घोषणा कि आतंकवाद विरोधी अभियान सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक हैं।

लेकिन इस तरह की विलंबित कूटनीतिक पहुंच कितनी सफल रही है, यह इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान ने बिना किसी विरोध के आईएमएफ से 1अरब डॉलर का ऋण और विश्व बैंक से 400 लाख डॉलर की सहायता प्राप्त की है। इज़राइल और अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के अलावा, किसी अन्य देश ने भारत के रुख का समर्थन नहीं किया है। इस वास्तविकता को नकारने से किसी को कोई मदद नहीं मिलेगी।

दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को अचानक समाप्त करने की घोषणा ने स्थिति को और जटिल बना दिया। सीमा पार नदी बंटवारे का विश्व स्तर पर स्वीकृत सिद्धांत ऊपरी और निचले दोनों तटवर्ती राज्यों के अधिकारों को स्वीकार करता है। पारस्परिक रूप से सहमत संधि से एकतरफा वापसी से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से समर्थन मिलने की संभावना नहीं है। व्यावहारिक रूप से, भारत में नदी के प्रवाह को रोकने के लिए जलाशय क्षमता का अभाव है, और सरकार ने जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों का प्रकाशन फिर से शुरू नहीं किया है। इसका मतलब है कि बाढ़ या सूखे की स्थिति में, पाकिस्तानी किसान और आम लोग सबसे अधिक पीड़ित होंगे।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ है – लोगों के खिलाफ नहीं, चाहे वे भारत में हों या पाकिस्तान में। आतंकवादियों को अलग-थलग किया जाना चाहिए। पूरे समुदाय के खिलाफ लड़ाई से कभी भी सकारात्मक परिणाम नहीं मिलेंगे। इसलिए, सामरिक प्रतिक्रियाएं एक व्यापक और सैद्धांतिक रणनीति का विकल्प नहीं हो सकती हैं।

यही कारण है कि विपक्षी दलों ने मौजूदा संकट के सभी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए संसद के विशेष सत्र की मांग की है। सोलह दलों ने पहले ही सरकार को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर ऐसे सत्र की मांग की है – जो स्थिति को स्पष्ट करने के लिए एक आदर्श मंच है। पैचवर्क समाधान वर्तमान में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकते।

अभी भी, प्रधानमंत्री मोदी को युद्धकालीन नेता के रूप में चित्रित करने वाले हजारों कटआउट और बैनर पूरे देश में दिखायी दे रहे हैं। हमने भारत के चुनाव आयोग के साथ अपने संवाद में संघर्ष के इस राजनीतिकरण के बारे में चिंता जतायी थी। चुनावी विचारों से प्रेरित एक घरेलू अभियान अंतरराष्ट्रीय मंच पर उल्टा पड़ सकता है, जहां इसे भारत सरकार द्वारा युद्धोन्माद के रूप में देखा जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हस्तक्षेप के इर्द-गिर्द रहस्य, जो तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बराबर है, को भी सरकार द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए। यह द्विपक्षीय मामलों में बाहरी मध्यस्थता का विरोध करने पर भारत की लंबे समय से चली आ रही आम सहमति के बिल्कुल विपरीत है।

अब एक गंभीर प्रयास ईमानदारी से शुरू होना चाहिए – संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर, जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करके, और रोजमर्रा के शासन में लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को पुनर्जीवित करके। वर्तमान चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने का यही एकमात्र सार्थक रास्ता है।

अब गुजरात में न्याय की धज्जियां उड़ाता बुलडोजर राज

■ डॉ.इंदिरा हिरवे व डॉ.नेहा शाह

दुनिया भर में निर्माण कार्यों के लिए बुलडोजरों का उपयोग किया जाता है लेकिन 'नए भारत' में बड़े पैमाने पर अपराधियों, दंगाइयों या माफिया से जुड़े कहे जाने वाले लोगों के घरों और संपत्तियों को नष्ट करने के लिए विनाश के एक उपकरण के रूप में उनका उपयोग किया जा रहा है। ज्यादातर मामलों में लक्षित गरीब लोग होते हैं उनमें से कई अल्पसंख्यक समूहों से होते हैं और इस तरह बुलडोजर एक नए राजनीतिक उपकरण में बदल जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने तत्काल न्याय के लिए एक असाधारण उपकरण के रूप में बुलडोजरों का उपयोग किया। इस प्रथा को अब प्रचलित किया जा रहा है। अन्य राज्य भी इसका अनुसरण कर रहे हैं।

ताजा मामला गुजरात सरकार का है जिसने पहले से ही झुग्गी उन्मूलन के लिए कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं। ये स्लमों के पुनर्वास और पुनर्विकास हेतु विनियमन- 2010 अधिनियम के रूप में ('गुजरात स्लम पुनर्वास नीति- पीपीपी- 2013ज [झुग्गीवासियों के पक्के घरों में पुनर्वास के लिए] और 'गुजरात किफायती आवास नीति- 2014' ('शहरी गुजरात को झुग्गी मुक्त बनाने') आए थे जिसमें गुजरात राज्य में स्लम क्षेत्रों के सुधार तथा उनके विकास का प्रावधान है। ये सभी गुजरात सरकार और अहमदाबाद नगर निगम द्वारा घोषित आधिकारिक नीतियां हैं।

अतिक्रमण के खिलाफ़ उठाए गए कदमों की एक श्रृंखला में हाल के दिनों में दो प्रमुख अभियानों में बुलडोजरों का उपयोग किया गया है। अप्रैल और मई 2025 में अहमदाबाद में, विशेष रूप से चंदोला झील क्षेत्र में घर तोड़े गए। अहमदाबाद शहर के दक्षिणी भाग में स्थित चंदोला झील एक अर्ध-सूखे झील का क्षेत्र है जो लगभग 109 हेक्टेयर भूमि को कवर करता है। यह आधिकारिक तौर पर अहमदाबाद नगर निगम के अंतर्गत आता है। झील पर अतिक्रमण कुछ किसानों द्वारा छोटे पैमाने पर फसल की खेती के साथ शुरू हुआ। गरीब परिवारों ने रहने के लिए धीरे-धीरे झील के किनारों पर कब्जा करना शुरू कर दिया और समय के साथ व्यापक क्षेत्र पर कब्जा किया गया। यहां के अधिकांश परिवार छोटे-मोटे व्यापार और विनिर्माण कार्यों में लगे हुए थे जो निर्माण कार्य, घरेलू काम, सब्जियां बेचने और अन्य दिहाड़ी काम करने वाले मजदूर थे। झील के एक छोटे से हिस्से पर, जिसे बंगला-वास के नाम से जाना जाता है, बांग्लादेशी प्रवासियों का कब्जा था। समय के साथ इस क्षेत्र ने छोटे स्थानीय क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों के एक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित किया। कुछ लोगों ने कानून की सीमाओं को तोड़ा और स्थानीय गिरोहों को जन्म दिया।

अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा शुरू किए गए इस तोड़फोड़ से 7,000 से अधिक संपत्तियां प्रभावित हुई हैं जो ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के चार दिन बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई। स्थानीय रिपोर्टों में कहा गया है कि अधिकारियों ने चंदोला के निवासियों को बिना दस्तावेजों वाले बांग्लादेशी अप्रवासियों के संदेह में हिरासत में लेना शुरू किया।

बुलडोजरों की मदद से तोड़फोड़ 2023 में शुरू हुई थी पर वर्ष 2024 में गुजरात में बहुत अधिक कार्रवाइयां देखी गईं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को 'दादा' के नाम से जाना जाता है पर उनके शासन काल में बुलडोजर राज को 'दादा का बुलडोजर' कहा जाने लगा है। गुजरात में बुलडोजरों का मुख्य फोकस सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाने पर रहा है।

राज्य सरकार ने 2024 के अंत तक पूरे गुजरात में कई बार बुलडोजरों का प्रयोग किया। प्रमुख घटनाएं अहमदाबाद शहर, मेहसाणा, कच्छ, जूनागढ़, द्वारका, वडोदरा, सूरत, नवसारी और अन्य शहरों में हुई हैं। जिन क्षेत्रों में ये कार्रवाइयां की गईं वे ज्यादातर गरीब, वंचित समूहों की बस्तियां हैं जिनमें अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। इन लोगों पर अवैध गतिविधियों और स्थानीय अपराधों में शामिल होने का आरोप है। जैसा कि कार्रवाई स्थलों से दिखाई पड़ता है कि बुलडोजर का कहर गरीब क्षेत्रों में हुआ और उसके दायरे में कभी भी पड़ोस के संपन्न इलाके नहीं थे।

2022 में एक स्थानीय पार्षद ने एक मानवाधिकार वकील के साथ मिलकर एएमसी से झुग्गी पुनर्वास योजना के तहत यहां रहने वाले परिवारों के पुनर्वास पर विचार करने का अनुरोध किया पर एएमसी ने इस विषय को इस आधार पर आगे नहीं बढ़ाया कि उस समय उसके पास कोई योजना नहीं थी। यह बात पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज़ (पीयूसीएल), अहमदाबाद के मानवाधिकार वकील आनंदवर्धन याग्निक ने बताई। याग्निक अहमदाबाद तोड़-फोड़ सहित मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित कानूनी मामलों में शामिल रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से हाशिए के समुदायों को लक्षित करने वाले विध्वंस के खिलाफ यह तर्क देते हुए कहा है कि ऐसी तोड़-फोड़ अक्सर उचित कानूनी प्रक्रियाओं के बिना किए जाते हैं जिससे विस्थापन और कठिन होता है।

पहलगाम की घटना के बाद गुजरात नेतृत्व ने कथित तौर पर चंदोला क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित किया और एएमसी की मदद से कार्रवाई शुरू कर दी। 26 अप्रैल को तड़के 3 बजे एक टीम तलाशी अभियान के लिए आई। उसने 890 व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें पुलिस सुरक्षा में अंधेरी रात में 4 किमी से अधिक दूर स्थित कांकरिया फुटबॉल मैदान ले गई। उन्हें वहां तीन दिनों तक रखा गया। अधिकारियों ने अंततः पाया कि इनमें से केवल 150 व्यक्ति (16-17 प्रतिशत) अवैध रूप से बांग्लादेशी प्रवासी थे। 29 अप्रैल को 2,000 नगरपालिका कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों की टीम, एक दर्जन से अधिक बुलडोजर, लगभग 200 ट्रकों के साथ चंदोला झील पहुंची और उसने निवासियों के घरों, दुकानों और अन्य संपत्तियों को ढहाना शुरू कर दिया। लगभग 3,000 महिलाओं, बच्चों एवं पुरुषों को 44 डिग्री सेल्सियस के तापमान में भीषण गर्मी में, खुले में रहने को मजबूर कर दिया। पीयूसीएल इस मुद्दे पर एएमसी के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है और उसकी रिपोर्टों में ये विवरण दिया गया है।

बुलडोजरों की मदद से तोड़फोड़ 2023 में शुरू हुई थी पर वर्ष 2024 में गुजरात में बहुत अधिक कार्रवाइयां देखी गईं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को 'दादा' के नाम से जाना जाता है पर उनके शासन काल में बुलडोजर राज को 'दादा का बुलडोजर' कहा जाने लगा है। गुजरात में बुलडोजरों का मुख्य फोकस सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाने पर रहा है।

कार्रवाई करने वालों को इस बात की कोई चिंता नहीं थी कि विस्थापित कहां जाएंगे और कहां रहेंगे। अगले दिन राष्ट्रीय समाचार पत्रों में यह खबर छपी कि सरकार ने चंदोला झील से अवैध रूप से बसे बांग्लादेशियों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया है लेकिन उसमें यह उल्लेख नहीं था कि उनमें से अधिकांश अप्रवासी नहीं बल्कि भारतीय नागरिक थे।

चंदोला झील स्थल पर पूरी कवायद कई सवाल उठाती है, जिनमें सबसे उल्लेखनीय यह है कि झुग्गी कॉलोनी पिछले कुछ वर्षों में अधिकारियों की जानकारी में ही बढ़ी है। इसके अलावा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित बेदख़ली के नियमों का पालन नहीं किया- जैसे कि बेदख़ली से पहले न्यूनतम अवधि की उचित नोटिस देना। लंबे समय से रह रहे लोगों को तत्काल हटाने की क्या जरूरत थी? इसके अतिरिक्त यदि अहमदाबाद के अंतर्गत आने वाले इस क्षेत्र का इतने वर्षों में पुनर्विकास नहीं किया जा सका तो मलिन बस्ती पुनर्वास नीति का क्या कार्य है? पहलगाम घटना के मद्देनजर हुई यह कार्रवाई इसे झुग्गी-झोपड़ी हटाने की गतिविधि से अधिक कुछ संकेत देने के लिए एक खतरनाक विध्वंस का रंग देती है। ऐसा लगता है कि यह उन क्षेत्रों को अपना निशाना बना रहा है जिसमें भारतीयों और आप्रवासियों को एक साथ रखा जाता है और सभी गरीबों के- चाहे वह भारतीय हो या नहीं, अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है।

निश्चित रूप से बिना वैध दस्तावेज़ों के आव्रजन का मुद्दा एक वैध चिंता का विषय है पर इससे निपटना संवैधानिक मूल्यों और मानवीय गरिमा के साथ संरेखित होना चाहिए। इसमें गुजरात सरकार साफ तौर पर फेल हो गई है।

(डॉ. इंदिरा हिरवे अर्थशास्त्र की प्रोफेसर व डॉ.नेहा शाह एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

खेल जगत

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को टीम का मुख्य कोच किया नियुक्त

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को रॉब वाल्टर को राष्ट्रीय पुरुष टीम के तीनों प्रारूपों के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। जून के मध्य से कार्यभार ग्रहण करने वाले वाल्टर को गैरी स्टीड के जाने के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। जुलाई में उनके साथ टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जायेगी। उनका अनुबंध 2028 के आखिर में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप तक चलेगा। वाल्टर इस वर्ष अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की सफेद टीमों की देखरेख कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में दक्षिण अफ्रीका ने 2024 में अपने पहले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया, जहां वे बारबाडोस में भारत से हार के बाद उपविजेता रहे। उन्होंने लगातार आठ मैचों की जीत दर्ज की।

जब भी सीनियर भारतीय हॉकी टीम में मौका मिलेगा, छाप छोड़ने को बेताब हूं : बांसुरी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

- 'भारत की सीनियर भारतीय हॉकी टीम के लिए खेलना आसान नहीं : सोलंकी
- मैं धनराज सर के कारण के कारण ही हॉकी खेल रही हूं

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। सूरत (गुजरात) से आने वाली रिजर्व गोलरक्षक बांसुरी सोलंकी को एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2024 -25 के यूरोपीय चरण में भारत की रिजर्व गोलरक्षक है। बांसुरी गोलरक्षक होने के नाते जानती हैं कि अपने किले की चौकसी के लिए धैर्य बेहद जरूरी है और इसी को जेहन में रखते वह जब भी भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम में मौका मिलेगा तो अपनी छाप छोड़ने को बेताब हैं। 24 बरस की बांसुरी सोलंकी बीते दो बरस से सीनियर भारतीय महिला हॉकी शिविर में हैं। बांसुरी भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपने मौके का इंतजार कर रही हैं बांसुरी कहती हैं, ' मैं हर अभ्यास सत्र को अपने डेब्यू की तरह दिखती है। मुझे आज या कल जब अपने करियर का आगाज का मौका भले न मिले लेकिन जब भी मुझे भारतीय सीनियर हॉकी टीम के खेलने का मौका मिलेगा तो मैं महज खेलने भर के लिए अपनी छाप छोड़ने को बेताब हूं।'

मैं अपना इंजिनियर बनने का सपना अब पीछे छोड़ दिया और इसका मुझे कोई मलाल नहीं है। अब मेरा सपना भारत को हॉकी में स्वर्ण पदक जिताना है और यह मेरा इकलौता लक्ष्य है और इसे पूरा करने के लिए बराबर जुटी रहूंगी : बांसुरी सोलंकी

बांसुरी अब तक खेलो इंडिया लीग की टीमें की कप्तानी कर चुकी हें और गुजरात , उत्तर प्रदेश, साईं और यूनियन बैंक के लिए राष्ट्रीय स्तर के हॉकी टूर्नामेंट में खेल चुकी है। वह भारत की 2023 में हॉकी 5 एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली तथा 2024 में हॉकी 5 वर्ल्ड कप में रजत पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम की भी सदस्य रह चुकी हैं। बावजूद इसके वह भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम के लिए खेलने का इंतजार कर रही हैं। बांसुरी कहती हैं, 'भारत की सीनियर भारतीय हॉकी टीम के लिए खेलना आसान नहीं हैं। आप यात्रा करते हैं और ट्रेनिंग करते हैं और कई बार आप हॉकी पिच पर नहीं उतर पाते हं। पर मैंने यह सीखा गोलकीपिंग एक धैर्य की यात्रा है। हर गोलरक्षक को किसी मोड़ पर संघर्ष कर करना पड़ता है और यही मुझे संबल देता है।' अब दो बरस राष्ट्रीय हॉकी शिविर में बिता अपनी तकनीकी कौशल व हॉकी की बेहतर समझ के बाद बांसुरी कहती हें, 'गोलरक्षण कोई गणित नहीं है न ही यह किसी फॉर्मूले के साथ चलता है और इसमें बेहद अनिश्चितता है कि किसी क्षण कुछ भी मुमकिन है। मैंने खुद को हर तरह की अनिश्चितता के तैयार करना अब सीख लिया है। मैं जब भी मुश्किल में होती हूं तो मैं भगवान कृष्ण को याद करती हूं। भगवान कृष्ण की सीख मुझे अपने पैर जमीन पर रखने और यह याद दिलाती है कि हर अच्छा या बुरा किसी बड़ी योजना का हिस्सा है। जैसा कि भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है 'कर्म करो, फल की चिंता मत करो। मैं अपना इंजिनियर बनने का सपना अब पीछे छोड़ दिया और इसका मुझे कोई मलाल नहीं है। अब मेरा सपना भारत को हॉकी में स्वर्ण पदक जिताना है और यह मेरा इकलौता लक्ष्य है और इसे पूरा करने के लिए बराबर जुटी रहूंगी।'

बांसुरी उस गुजरात में पली बढ़ी जहां कि हॉकी कोई मजबूत संस्कृति नहीं ही न ही हॉकी खेलने के बहुत मौके हैं।

नीरज चोपड़ा पेरिस डायमंड लीग में लेंगे भाग

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। मौजूदा भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा 20 जून को स्टेड सेबेस्टियन-चार्लीटी में होने वाली पेरिस डायमंड लीग 2025 में भाग लेंगे। नीरज आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में वापसी करेंगे। वर्ष 2017 में वह इस स्पर्धा में 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। जर्मनी के जोहान्स वेटर ने 88.74 मीटर का थ्रो कर इस स्पर्धा को जीता था। नीरज के 2024 संस्करण में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन पेरिस ओलंपिक की तैयारी के मद्देनजर वह इस स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। मई में दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा ने 90.23 मीटर दूर भाला फेंक कर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोडा था। नीरज का सबसे हालिया प्रदर्शन 23 मई को पोलैंड के चोरजो में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में हुआ था। नीरज ने टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन में दूसरे स्थान पर रहने के लिए अपने अंतिम प्रयास में 84.14 मीटर भाला फेंक कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज ने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण स्पर्धा जीतकर अपने 2025 एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत की थी। उन्होंने 84.52 मीटर थ्रो किया था। वह 24 जून को चेकिया में होने वाली गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स स्पर्धा की प्रवेश सूची में भी शामिल हैं।

बतौर कप्तान मैं अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित और सहज महसूस कराने की कोशिश करूंगा : गिल

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। 25 बरस के भारत के नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए मुंबई से इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले बृहस्पतिवार को संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए बेहद शांत और विश्वास से भरे नजर आए। रोहित शर्मा की अगुआई में भारत के पहले अपने घर में मेहमान न्यूजीलैंड से और इसके बाद मेहमान ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज गंवाने के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से बाहर होने बाद शुभमन गिल ने इंग्लैंड में उसके खिलाफ अब तेंडुलकर - एंडरसन ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली पांच टेस्ट मैचों की बेहद मुश्किल सीरीज के लिए तब कप्तानी संभाली जब कप्तान रोहित के साथ विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे तीन दिग्गज टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। शुभमन गिल ने जब कप्तानी की उनकी सोच की बाबत मुंबई में पूछा गया तो उन्होंने कहा,' मैं कप्तानी की किसी खास शैली का अनुसरण नहीं करना चाहता। कप्तानी की बाबत मेरी सोच एकदम साफ है। आप जितना ज्यादा खेलेंगे उतने ज्यादा अनुभवी होते जाएंगे। मुझे लगता कप्तान के रूप में आपकी निजी शैली लोगों को ज्यादा दिखाई देती है। बतौर कप्तान मैं अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित और सहज महसूस कराने की कोशिश करूंगा। बतौर कप्तान मुझे खिलाड़ियों से बात कर उनकी ताकत और कमजोरियों की बाबत उन्हें सहज और सुरक्षित महसूस करना पसंद है। बतौर कप्तान और लीडर आप जो भी मैच खेलते हैं उसमें बेशक अनुकरणीय खेल देखना चाहते हैं। यदि आपके खिलाड़ी बहुत सुरक्षित महसूस करेंगे तो वे अपनी पूरी शिद्दत से मैदान खेलेंगे। मैं कई बेहतरीन कप्तानों की कप्तानी में खेला हूं। भारत के कप्तान के रूप में रोहित भाई का अपने खिलाड़ियों के साथ संवाद एकदम साफ था और अपने खिलाड़ियों को यह साफ तौर पर बता देते थे कि वे उनसे क्या चाहते हैं।

मैं अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित और सहज महसूस कराने की कोशिश करूंगा : शुभमन गिल

बतौर कप्तान आप जो मैच खेलते हैं उसमें अनुकरणीय खेल दिखाना चाहते हैं

गिल के पास नई भारतीय टीम में सामूहिक संस्कृति बनाने का मौका है : चोपड़ा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि शुभमन गिल के पास टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में एक मजबूत सामूहिक संस्कृति विकसित करने का अवसर है, जो 20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड के पांच मैचों के टेस्ट दौरे के माध्यम से एक नए युग में कदम रखने के लिए तैयार है। गिल के नेतृत्व में, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में भारत का पहला असाइनमेंट होगा। एक नेतृत्व समूह बनाएं- 4-5 खिलाड़ियों को एक साथ लाएं और एक कोर बनाएं। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को शामिल करें। भेड़ियों का एक झुंड बनाएं। ये वे लोग

नॉर्वे शतरंज में चौथी जीत के बाद गुकेश गौरव के करीब

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। किशोर सनसनी डोमराजू गुकेश ने 2025 नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपनी चौथी क्लासिकल जीत हासिल करते हुए शतरंज के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना जारी रखा है। राउंड 9 के रोमांचक मुकाबले में, सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन ने चीन के दुर्जेय वेई यी को हराया, 14.5 अंक हासिल किए और अपने और टूर्नामेंट लीडर मैग्नस कार्लसन के बीच अंतर को केवल आधे अंक तक सीमित कर दिया। गुकेश का प्रदर्शन सामरिक प्रतिभा और दबाव में शांत रहने का मिश्रण रहा है, जो वैश्विक मंच पर इतनी कम उम्र में शायद ही देखने को मिले। उनकी हालिया जीत ने उन्हें सर्जिकल सटीकता के साथ एक तेज मध्य खेल में नेविगेट करते हुए, एक जटिल एंडगेम में वेई यी को मात देते हुए उनकी गहरी स्थितिगत समझ को प्रदर्शित किया। हालांकि, जीत की राह आसान नहीं है। दुनिया के नंबर 1 और पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को एक तनावपूर्ण मुकाबले में हराकर सभी को अपनी स्थायी प्रतिभा की याद दिला दी, जिसमें कार्लसन ने रूक एंडगेम में जीत हासिल की। इस परिणाम के साथ, मैग्नस ने अंतिम दौर में 15 अंकों के साथ बढ़त बनाए रखी। अब जब केवल एक दौर बचा है, शतरंज की दुनिया में उत्सुकता का माहौल है। अंतिम दौर में गुकेश की जीत, साथ ही कार्लसन की जीत से कम कुछ भी, युवा भारतीय प्रतिभा को अपना पहला नॉर्वे शतरंज खिताब दिला सकता है - जो उनकी विश्व चैम्पियनशिप जीत का एक उपयुक्त अनुवर्ती होगा। इस साल का नॉर्वे शतरंज सिर्फ एक टूर्नामेंट से कहीं बढ़कर बन गया है; यह मशाल का प्रतीकात्मक हस्तांतरण है।

अब जब केवल एक दौर बचा है, शतरंज की दुनिया में उत्सुकता का माहौल है

सात्विक-चिराग की क्वार्टर फाइनल में हार के साथ इंडोनेशिया ओपन में भारत की चुनौती समाप्त

जकार्ता, 6 जून (एजेंसिसयां)। पूर्व चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को यहां पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के सातवें वरीय मान वेई चोंग और काई वुन टी से सीधे गेम में हारकर इंडोनेशिया ओपन से बाहर हो गए और इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गयी। पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सात्विक-चिराग को इस्तोरा सेनयान में विश्व नंबर 7 चोंग और टी के हाथों 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह मलेशियाई जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पांच मुकाबलों में पहली जीत है। जकार्ता में सुपर 1000 टूर्नामेंट में दुनिया की 22वें नंबर की जोड़ी आखिरी भारतीय दावेदार थी, जब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गई थी। गुरुवार को सात्विक-चिराग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 2023 के चैंपियन सात्विक-चिराग ने 68 मिनट तक चले दूसरे दौर के मुकाबले में दुनिया की 16वें नंबर की डेनिश जोड़ी राससमस केजर और फ्रेडरिक सोगार्ड पर 16-21, 21-18, 22-20 से कड़ी टक्कर में जीत दर्ज की थी। गुरुवार को 78 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में थाईलैंड की दुनिया की 8वें नंबर की पोर्नपावी चोचुवोंग से 22-20, 10-21, 18-21 से हार के बाद सिंधु का अभियान समाप्त हो गया। 10-16 से पिछड़ने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए पहला गेम अपने नाम किया। लेकिन, चोचुवोंग ने दूसरे गेम में दबदबे के साथ वापसी की और निर्णायक गेम में सिंधु के 15-11 से आगे होने के बावजूद, थाई शटलर की निरंतरता और सिंधु की बेवक्त की गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को फिनिश लाइन पर लड़खड़ाते हुए देखा।

यह मलेशियाई जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पांच मुकाबलों में पहली जीत है

सार संक्षेप

फीफा विश्वकप क्वालीफायर में अर्जेंटीना ने चिली को हराया

सैंटियागो। जूलियन अल्वारेज के पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने फीफा विश्वकप क्वालीफायर में चिली पर 1-0 से जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नैशनल में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में अल्वारेज ने 23वें मिनट में थियागो अल्माडा की थ्रू बॉल पर गोलकीपर ब्रायन कॉर्टेस के ऊपर से शॉट मारकर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने अधिकतर समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखा। दूसरे हाफ में चिली ने वापसी प्रयास किया और 60वें मिनट के बाद उसने कई बार गोल करने के प्रयास किये लेकिन अर्जेंटीना की मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपर मार्टिनेज ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया। अन्य मैच में इक्वाडोर और ब्राजील ने ग्वायाकिल में 0-0 से ड्रा खेला और पैराग्वे ने असुनसियन में उरुग्वे को 2-0 से हराया।

जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग में 71 खिलाड़ी प्रतिभाग लेंगे

मुंबई। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग में 30 भारतीय खिलाड़ियों सहित दुनिया भर के 71 एथलीट हिस्सा लेंगे। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग का पहला सत्र 15 जून को शुरु होगा। लीग का फाइनल मुकाबला 29 जून को मुंबई के शाहजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में खेला जायेगा। रग्बी प्रीमियर लीग ने न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, अर्जेंटीना, ब्रिटेन, आयरलैंड, अमेरिका और स्पेन सहित पावरहाउस रग्बी 7एस देशों के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के अलावा कनाडा, हांगकांग और जर्मनी के 18 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में प्रतिभाग लेंगे। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सत्र में 71 खिलाड़ियों की नीलामी में से चुने गये 30 भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। जीएमआर प्रीमियर लीग के उद्घटन संस्करण में छह संस्थापक फ्रेंचाइज के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

नेशंस लीग 2025 : फ्रांस को हराकर फाइनल में स्पेन

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लामिन यमल के दो गोल की मदद से स्पेन ने स्टटगार्ट में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 5-4 से जीत दर्ज की। इसी के साथ स्पेन ने नेशंस लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। स्पेन लगातार तीसरी बार नेशंस लीग के फाइनल में पहुंचा है। टीम पिछले 12 नेशंस लीग मुकाबलों से (8 जीत, 4 ड्रॉ) में अजेय है। अब ये टीम फाइनल में पुर्तगाल से भिड़ेगी। स्पेन ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। फ्रांस ने गेंद को अपने पास रखा और स्पेन की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश की। मुकाबले के 22वें मिनट स्टार खिलाड़ी लामिन यमल ने बॉक्स में ओयारजाबल को पास दिया। ओयारजाबल ने डिफेंडर्स को चकमा देते हुए गेंद निको विलियम्स को दी, जिन्होंने गेंद को नेट के ऊपर से मारते हुए मुकाबले का पहला गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद (25वें मिनट) मिकेल मेरिनो और ओयारजाबल ने गेंद तेजी से एक-दूसरे को पास की और मेरिनो ने गेंद को बॉक्स के अंदर डाल दिया।

अब ये टीम फाइनल में पुर्तगाल से भिड़ेगी

आईसीसी से स्वीकृत यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग अगले साल के लिए स्थगित

डबलिन, 6 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन के सह-स्वामित्व वाली यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) को 2026 तक स्थगित कर दिया गया है। आईसीसी द्वारा स्वीकृत नए वार्षिक टी20 फ्रेंचाइज टूर्नामेंट को शुरू में 15 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित किया जाना था।

पिछले साल 27 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा स्वीकृत, छह टीमों का यह टूर्नामेंट आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्डों के बीच एक ऐतिहासिक सहयोग का प्रतिनिधित्व करता है, जो खेल को आगे बढ़ाने और विश्व मंच पर यूरोपीय क्रिकेट को ऊपर उठाने का एक संयुक्त प्रयास है। आयरलैंड क्रिकेट द्वारा साझा किए गए बयान के अनुसार, बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन के बाद यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) आधिकारिक तौर पर 2026 में लॉन्च होगी। यह निर्णय क्रिकेट, व्यवसाय और मीडिया के प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद लिया गया है। इसमें कहा गया है, टूर्नामेंट के लिए 2025 की शुरुआती अवधि ने एक ठोस आधार प्रदान किया, लेकिन फ्रेंचाइज के इच्छुक लोगों, प्रसारकों, प्रायोजकों और शासी निकायों के साथ बातचीत ने यह स्पष्ट कर दिया: 2026 ईटीपीएल को टूर्नामेंट के सफल होने का सबसे अच्छा मौका देता है। यह बताया गया कि ईटीपीएल फ्रेंचाइज के तीन संभावित मालिकों, जो द हंड्रेड में भी हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं, ने उन सौदों को प्राथमिकता दी है, जिसके कारण ईटीपीएल को स्थगित कर दिया गया। ईटीपीएल के अध्यक्ष वॉरेन ड्यूट्रोम ने कहा कि हम लंबी अवधि के लिए निर्माण कर रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले ब्रॉड से सलाह लेंगे मार्को यानसन

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मार्को यानसन ने कहा कि वह 11 जून को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की शुरुआत से पहले इंग्लैंड के दिग्गज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड से सलाह लेने की योजना बना रहे हैं कि वह कुछ बल्लेबाजों को कैसे आउट करते थे। ब्रॉड सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के साथ सलाहकार के रूप में जुड़ेंगे, क्योंकि तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली टीम मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अपनी तैयारी को तेज कर रही है, जिसकी कप्तानी पैट कमिंस करेंगे। पूर्व तेज गेंदबाज ब्रॉड 604 विकेट के साथ सबसे सफल टेस्ट गेंदबाजों में पांचवें स्थान पर हैं। जाहिर है, उन्होंने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत खेला है। शायद मैं उनसे पूछूंगा कि उन्होंने उस समय क्या किया था या जब वह कुछ बल्लेबाजों को आउट करने के लिए खेल रहे थे, तो उन्होंने क्या किया था। और फिर, क्योंकि मेरा मतलब है, आप वे सभी सवाल पूछ सकते हैं और आप कोशिश कर सकते हैं और ऐसा कर सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह जरूरी काम करेगा।

पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। करीब दो दशक लंबे करियर के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने अपने इस फैसले के बारे में ईएसपीएनक्रिकइंफो हिंदी से भी बात की। चावला ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दो दशक से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करने, 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप की विजेता टीम का हिस्सा बनने को अपने जीवन का सबसे आशीर्वाद बताया और लिखा कि ये यादें हमेशा उनके दिल में बसी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल उनके करियर का एक बेहद खास अध्याय रहा है। पीयूष ने कहा कि मैं उन सभी फ्रेंचाइजियों का दिल से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को मैं धन्यवाद देता हूं। इंडियन प्रीमियर लीग में खेला गया हर एक पल मैंने पूरी तरह जिया है। अपने कोचों और परिवार को याद करते हुए चावला ने लिखा, मैं अपने कोचों (श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सरस्वत) के प्रति गहरा आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे संवारकर वो खिलाड़ी बनाया जो मैं बना। साथ ही उन्होंने अपने परिवार को अपनी ताकत का स्तंभ बताया और अपने दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका मुझ पर विश्वास ही वह रौशनी थी जिसने मुझे राह दिखाई। उनके बिना यह यात्रा संभव नहीं हो पाती। ईएसपीएनक्रिकइंफो से बातचीत में चावला ने अपने करियर को याद करते हुए कहा कि मैंने लगभग 20 साल क्रिकेट को दिए हैं। यह एक लंबा और यादगार सफर रहा है। ऊपर वाले की कृपा रही कि मैं इतने लंबे वक्त तक क्रिकेट खेल सका। यह सफर कभी बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, तो कभी बेहद सुकून देने वाला। लेकिन इसके हर पल ने मुझे बहुत कुछ सिखाया और बहुत कुछ दिया। ये वो यादें हैं जो ताउम्र मेरे साथ रहेंगी। अपने संन्यास के फैसले को लेकर उन्होंने आगे कहा कि मुझे हमेशा से लगता रहा है कि हर चीज का एक सही समय होता है।

इंडियन प्रीमियर लीग में खेला गया हर एक पल मैंने पूरी तरह जिया है: चावला

मैं उन सभी फ्रेंचाइजियों का दिल से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। : पीयूष चावला

वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के चुनाव 7 जून को होंगे

नई दिल्ली, 6 जून, (एजेंसियां)। वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (वीएफआई) दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद 7 जून, 2025 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में अपने लंबे समय से प्रतीक्षित चुनाव कराने जा रहा है।

अंतरिम शासन की अवधि के बाद लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेतृत्व को बहाल करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। वीएफआई से संबद्ध 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 66 प्रतिनिधि एक नई शासी संस्था का चुनाव करने के लिए मतदान करेंगे। कार्यकारी समिति की पांच सीटों सहित 12 प्रमुख पदों के लिए 29 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें शामिल हैं: अध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (2), महासचिव (1), कोषाध्यक्ष (1), संयुक्त सचिव (2), और कार्यकारी समिति के सदस्य (5)। अध्यक्ष पद की दौड़ में आनंद शंकर राजहंस (बिहार), प्रेम सिंह बाजोर (नागालैंड) और वीरेंद्र कंवर (हिमाचल प्रदेश) आमने-सामने होंगे।

महासचिव पद के लिए मोहम्मद अकरम खान (छत्तीसगढ़), नीलेश विष्णु जगत (महाराष्ट्र) और रामानंद चौधरी (राजस्थान) उम्मीदवार हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए हरि सिंह चौहान (मध्य प्रदेश) और प्रकाश बोरा (असम) चुनाव लड़ेंगे, जबकि दो संयुक्त सचिव पदों के लिए छह उम्मीदवार और पांच कार्यकारी समिति पदों के लिए ग्यारह उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक होगा, उसके बाद 3:30 बजे मतगणना होगी।

कार्यकारी समिति की पांच सीटों सहित 12 प्रमुख पदों के लिए 29 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं

सार-समाचार

शराब के नशे से मुक्ति के लिए नपा कार्यालय में बैठक कल

रायसेन, देशबन्धु। ऐल्कोहोलिक्स एनॉनिमस संस्था द्वारा रविवार को नगर पालिका कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें लोगों को नशा से मुक्ति के तरीके बताए जाएंगे। संस्था के सदस्य अपना अनुभव और आशा बांटते हैं, ताकि वे अपनी एक जैसी समस्या का समाधान कर सकें और दूसरों को शराब के नशा से छुटकारा दिलाने में सहायता कर सकें।

गोवंश हत्या और तस्करी पर कठोर कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

रायसेन, देशबन्धु। विश्व हिन्दू परिषद्-गोरक्षा विभाग ने गो तस्करी और गौ हत्या के विरोध में राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि विदिशा और रायसेन में लगातार गो हत्या, तस्करी के मामले हो रहे हैं। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सम्पूर्ण देशवासी भलिभांति जानते ही हैं कि गोवंश हमारी सात्विक ऊर्जा, आर्थिक समृद्धि एवं आरोग्य का सर्वश्रेष्ठ स्रोत है। इसी दिव्य-वैज्ञनिक आधार को देखते हुए विश्व हिन्दू परिषद्-गोरक्षा विभाग देश में बढ़ती गोवंश तस्करी व हत्याओं की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए बकरीद के मौके पर यह मांग करता है कि राज्य सरकारें व स्थानीय पुलिस-प्रशासन इन घटनाओं के विरुद्ध न सिर्फ कठोर कार्यवाही करें, बल्कि भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति रोकने हेतु पूरी संवेदनशीलता के साथ समुचित कदम उठाएं। विभाग के जिला संयोजक भूपेन्द्र राय ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद्-गोरक्षा विभाग ने मांग की है कि सभी राज्य सरकारें, पुलिस-प्रशासन गोवंश हत्यारों व गोवंश तस्करों के विरुद्ध कठोरता से स्वत: कार्यवाही करें जिसने गोरक्षकों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर न होना पड़े।

उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए 15 जुलाई तक आवेदन

रायसेन, देशबन्धु। जिले में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों से मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित किए गए है। कलेकटर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि जिला अधिकारी अपने-अपने विभाग के नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार हेतु आवेदन करने के लिए प्रेरित करें। जिन शासकीय सेवकों ने मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के विज्ञापन में वर्णित कार्यक्षत्रों के अंतर्गत पहल एवं नवाचार का अनुप्रयोग किया है, वह शासकीय सेवक पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकते हैं। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार नवाचार के लिए वर्ष 2025 में प्रदान किए जाने वाला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार उन्हीं आवेदकों को प्रदान किया जाएगा, जिन आवेदकों ने 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की समयावधि में नवाचार एवं उत्कृष्ट पहल की हैं। इस पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन सामान्य प्रशासन विभाग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

अंतिम तारीख तक 12 सौ से अधिक छात्रों ने कराए पंजीयन

कॉलेजों में प्रवेश के पहले चरण का पंजीयन पूर्ण, 12 को होगा सीटों का आवंटन

रायसेन, देशबन्धु। कॉलेजों में प्रवेश के लिए पहले चरण के रजिस्ट्रेशन का शुक्रवार को अंतिम दिन था। अंतिम दिन तक 1257 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं। जिन्हे रायसेन सहित जिले के विभिन्न सरकारी कॉलेजों में प्रवेश दिया जाएगा। 12 जून को सीटों के आवंटन की पहली सूची जारी होने के बाद 13 जून से दूसरे चरण में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू होगी।

कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद यूजी कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। उच्च शिक्षा विभाग ने पहले 31 मई रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि रखी थी, जिसे बढ़ाकर 6 जून किया गया था। विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीयन होने के बाद दस्तावेजों का सत्यापन आज शाम तक किया जाएगा। इसके बाद 12 जून को सीट आवंटन होने पर पहली सूची जारी होगी। 13 से 18 जून तक प्रवेश शुल्क का भुगतान कर कॉलेज में प्रवेश ले सकते हैं। शासन द्वारा इस बार कॉलेज एडमिशन का नया पोर्टल शुरू करने से परेशानियां आ रही थीं जो अब दूर हो रही हैं।

बीबीए, बीसीए कोर्स की तारीख घोषित

कुछ कोर्स के लिए अलग से रजिस्ट्रेशन की तारीख घोषित की गई है। तकनीकी शिक्षा संचालनालय की तरफ से बीबीए, बीएमएस, बीबीए एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक बीसीए कोर्स के लिए प्रथम चरण का पंजीयन 16 जून से 1 जुलाई तक चलेगा। सामान्य पूल एवं जीएफ डब्ल्यू में परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। दो जुलाई से रजिस्ट्रेशन में सुधार कर 6 जुलाई को मेरिट सूची जारी होगी। 6 जुलाई से ही द्वितीय चरण की प्रक्रिया होगी। जबकि 6 अगस्त से सीएलसी राउंड में सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे।

आईटीआई में प्रवेश के लिए 16 जून तक पंजीयन

रायसेन, देशबन्धु। मध्यप्रदेश की समस्त शासकीय आईटीआई में संचालित एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठयक्रमों में प्रवेश प्रकिया प्रांरभ हो गई है। यह प्रक्रिया कौशल विकास विभाग के पोर्टल ूण्केकण्उचण्हवअण्पदद्ध पर होगी। आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन एवं इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन अब 16 जून तक कर सकेंगे। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी डीएसडी पोर्टल पर उपलब्ध है।

जिले में संचालित 06 संस्थाओं में विभिन्न व्यवसायों में 1088 सीटों पर प्रवेश दिया जावेगा। व्यवसाय वेल्डर एवं स्विंग टेक्नालॉजी में कक्षा 8वीं के प्राप्तांक एवं शेष व्यवसायों के लिए कक्षा 10वीं के प्राप्तांकों के आधार पर चयन/मैरिट सूची जारी की जाएगी। महिलाओं के प्रवेश हेतु 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गयी है, जिसमें महिलाओं का कौशल विकास में योगदान रहेगा। जिले में संचालित समस्त शासकीय आईटीआई में पंजीयन हेतु हेल्पडेस्क की स्थापना की गयी है। अधिक जानकारी के लिये डीएसडी पोर्टल पर विजिट अथवा नजदीकी शासकीय आईटीआई अथवा मोबाईल नंबर 9827844062 से संपर्क कर सकते हैं। बेहतर भविष्य निर्माण के लिए शासकीय आईटीआई में प्रवेश लेकर कौशल उन्नयन करें एवं अपने सपनों को साकार करे।

रातापानी अभयारण्य से आ रही सागौन से भरी पिकअप पकड़ाई

बाड़ी, देशबन्धु। सिंघोरी अभ्यारण्य में सागौन साफ होने के बाद अब लकड़ी तस्करों ने रातापानी अभयारण्य की ओर रुख कर लिया। जबकि रातापानी अभयारण्य व सिंघोरी अभ्यारण्य वन्यजीवों के लिए संरक्षित हैं यहां पर परिंदा भी पर नहीं मार सकता क्योंकि यहां वन विभाग की सेटेलाइट निगरानी चौबीस घंटे रहती हैं।हजारों एकड़ वन भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ गई और यहां खेती होने लगी है, लेकिन वन विभाग को इसकाी काई चिंता नहीं है। नतीजतन वन्यजीवों का शिकार और इमारती कीमती पेड़ों की कटाई आम बात हो गई है। ऐसा ही एक मामला गुरुवार रात को भी सामने आया। जिसमें मुखबिर ने वन विभाग एक अधिकारी को सूचना दी कि एक पिंकअप डामडोगरी से सागौन भरकर लाने वाली जो बाड़ी होते हुए बकतरा की ओर जायेगी।

सूचना मिलने पर अधिकारी ने टीम बनाई और उसे नागिन मोड़ के ऊपर लगा दिया। रात सवा बारह बजे टीम को जैसे ही एमपी 37जीए 2664 बिलोरो पिकअप नजर आई तो ड्राइवर वन विभाग की टीम देखते ही गाड़ी रोककर मौके से भागने में सफल हो गया। वाहन चेक करने पर उसमें सागोन नग 18 भरे पाए गए। वाहन में बैठे अन्य व्यक्ति करण अहिरवार निवासी नारद खेड़ा से पूछताछ करने पर उक्त लकड़ी के सम्बन्ध में कोई भी वैध दस्तावेज नहीं होना पाया गया। तत्पश्चात वाहन व अपराधी को परिक्षेत्र केम्पस बाड़ी लाया गया व प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिवत कार्रवाई की गयी। लकड़ी की अनुमानित कीमत 60 हजार रुपये है। इस कार्रवाई में डिप्टी रेंजर मशीयत उल्लाह खान, प्रभारी वनपाल राजेश यादव, वन रक्षक शेषमणि शुक्ला, वन रक्षक अश्वनी तिवारी व अन्य स्टॉफ शामिल रहा।

सशस्त्र सेना झंडा निधि में योगदान के लिए कलेक्टर विश्वकर्मा सम्मानित

रायसेन, देशबन्धु। शहीद सैनिकों के परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों तथा सशस्त्र सेना झण्डा निधि में लक्ष्य से अधिक राशि एकत्रित कर सहयोग करने के लिए राज्यपाल मंगुभाई पटेल की ओर से कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया है। राज्यपाल की ओर से कलेक्टर श्री विश्वकर्मा को कर्नल श्री राजीव खत्री द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

इसके पहले, कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भूतपूर्व सैनिकों के साथ आयोजित बैठक में एक-एक भूतपूर्व सैनिक से संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी तथा निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में भूतपूर्व सैनिकों तथा शहीद सैनिकों के परिजनों से संवाद करेंगे। संवाद के दौरान भूतपूर्व सैनिकों द्वारा अपने सेवाकाल के समय के संस्मरण भी सांझा किए गए। इस अवसर पर सूबेदार तथा जिला सैनिक कल्याण संयोजक श्री भानुप्रताप सिंह, हवलदार श्री मुन्नालाल गौर सहित अनेक भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भूतपूर्व सैनिकों तथा शहीद सैनिकों के परिजनों के कल्याण हेतु वर्ष 2024-25 में रायसेन जिले द्वारा निर्धारित लक्ष्य 543500 रू के विरूद्ध 545000 रू की राशि एकत्रित कर प्रदान की गई है।

विधायक डॉ. चौधरी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन और नाले पर निर्मित पुल का किया लोकार्पण

रायसेन, देशबन्धु। सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा सांची जनपद के ग्राम परवरिया में 240 लाख रू लागत से निर्मित परवरिया-रायसेन मार्ग में डावर नाले पर पुल मय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। साथ ही ग्राम परवरिया में 44 लाख रू लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन मय सीएचओ आवास गृह का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि डावर नाले पर पुल के बन जाने से परवरिया सहित आसपास के अनेक गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। अब बारिश के समय यह मार्ग बाधित नहीं होगा।

विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि आज परवरिया में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का भी लोकार्पण किया गया है। इस भवन के बनने से क्षेत्र के आम नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी उप स्वास्थ्य केंद्र में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तथा एएनएम को पदस्थ किया गया है। जिससे आसपास के क्षेत्र में आम नागरिकों को चिकित्सा के साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे! जिसमें टीकाकरण तथा टेलीमेडिसिन सम्मिलित है। विधायक डॉ चौधरी ने क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यो तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, सांची जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पोर्ते सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य और स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बीएमओ भी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो का लिया जायजा: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में नदी, तालाबों, कुएं, जलाशय आदि जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सांची जनपद की ग्राम पंचायत खरबई में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यो का सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित सांची जनपद पंचायत सीईओ से ग्राम पंचायत खरबई सहित जनपद क्षेत्र में जल संरक्षण हेतु किए जा रहे कार्यो की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

धरती आबा अभियान: जिले के चिन्हित ग्रामों में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

रायसेन, देशबन्धु। प्रदेश के साथ ही जिले में भी जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति हेतु सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि धरती आबा अभियान के तहत जिले में चिन्हित जनजातीय बहुल ग्रामों तथा दूरस्थ बस्तियों में 15 जून से 30 जून तक आयोजित किए जाने वाले शिविरों के प्रभावी और सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कलेक्टर द्वारा स्वयं इसकी मॉनीटरिंग की जाएगी।

यह शिविर जिला प्रशासन, सीएससी, स्थानीय अधिकारियों तथा फ्रंटलाइन वर्कर्स के समन्वित प्रयास से संचालित होगा। ग्राम स्तर पर सेवा अंतराल की पहचान, सूक्ष्म कार्ययोजना निर्माण, शिविर कैलेंडर निर्धारण एवं रियल-टाइम निगरानी तंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सभी जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही सभी पात्र जनजातीय परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराना और जनजातीय ग्रामों में सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किए जाने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की स्थापना भी की जाएगी जिससे कि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जा सके।धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में रायसेन जिले की 77 ग्राम पंचायतों के 92 ग्रामों को चिन्हित किया गया हैं जिनमें विकासखण्ड सांची के 10 ग्राम, विकासखण्ड गैरतगंज के 07 ग्राम, विकासखण्ड बेगमगंज के 03 ग्राम, विकासखण्ड सिलवानी के 32 ग्राम, विकासखण्ड उदयपुरा के 04 ग्राम, विकासखण्ड बाड़ी के 10 ग्राम और विकासखण्ड औबेदुल्लागंज के 26 ग्राम शामिल हैं। इन ग्रामों में सर्वे उपरांत चिन्हित 15231 परिवारों को केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास, जल शक्ति, विद्युत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, दूरसंचार और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों/मंत्रालयों की 25 योजनाओं गतिविधियों का शत प्रतिशत सैचुरेशन किया जाएगा। इन ग्रामों में 15 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले शिविरों में हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन, बैंक खाते खोलने इत्यादि कार्य किए जाने के साथ ही राशन कार्ड निर्गमन, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड वितरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में नामांकन सहित विभिन्न योजनाओं के आवेदन और स्वीकृति की कार्यवाही भी की जाएगी।

11.38 करोड़ की लागत से बना अस्पताल, 100 बिसतर में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव

50 बिस्तर का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तैयार, जल्द शुरू होगी सेवा

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के नौगांव कस्बे में 30 बेड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड कर 50 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है, जो एक-दो महीने में टीबी अस्पताल कैंपस में शुरू हो जाएगा।

यह सुविधा नौगांव की एक लाख से अधिक आबादी और आसपास के 100 गांवों, साथ ही उत्तर प्रदेश और टीकमगढ़ के कुछ गांवों के लिए वरदान साबित होगी।

11.38 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस अस्पताल में 8 करोड़ रुपये की लागत से फर्नीचर और उपकरण जल्द उपलब्ध होंगे। इसमें एक दर्जन से अधिक डॉक्टर, जिसमें सर्जन, गायनी, एनेस्थीसिया, पीडियाट्रिक्स और नेत्र रोग विशेषज्ञ शामिल होंगे, सेवाएं देंगे। मॉडुलर ऑपरेशन थिएटर, ब्लड बैंक और सभी प्रकार की जांच की सुविधा होगी। दो ऑपरेशन थिएटर (एक सामान्य और एक सिजेरियन के लिए) तैयार किए गए हैं।

पहले मरीजों को छतरपुर या झांसी रेफर करना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर इलाज संभव होगा। मध्य प्रदेश शासन ने 9 अप्रैल 2025 को इस अस्पताल को 50 बेड से बढ़ाकर 100 बेड करने का प्रस्ताव मांगा है, जिसका प्रपोजल भेजा जा चुका है।

हैंडओवर प्रक्रिया अंतिम चरण में

बीएमओ डॉ. रविंद्र पटेल ने बताया भवन निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है, अब हैंडओवर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया उपकरण और फर्नीचर की डिमांड भोपाल भेजी है, जो जल्द मिलने पर अस्पताल 10-15 दिन में शुरू हो सकता है। स्टाफ की संख्या बढ़ाई जाएगी, जिसमें नर्स, मेडिकल ऑफिसर और विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह अस्पताल नौगांव, ईसनगर, पलेरा, बड़ागांव, टीकमगढ़ और यूपी के दो दर्जन से अधिक गांवों के मरीजों को 24 घंटे सेवाएं देगा। डिलीवरी, दुर्घटना और अन्य आपात मामलों में मरीजों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कोरोना की आहट: अस्पताल में बनाया कोविड वार्ड, जांचा ऑक्सीजन प्लांट

छतरपुर, देशबन्धु। कोरोना की नई लहर की आहट के साथ प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। जिला अस्पताल में कोविड वार्ड बनाया गया है। मॉक ड्रिल के साथ ऑक्सीजन प्लांट की जांच की गई और आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था चाकचौबंद कर ली गई हैं। सीएमएचओ डॉ आरपी गुप्ता ने बताया जिला अस्पताल में कोविड वार्ड तैयार कर लिया है। आईसीयू वार्ड में 15 बेड, 12 बेड वार्ड और 18 बेड मेल वार्ड में ऑक्सीजन युक्त इमरजेंसी सुविधा की तैयारी कर ली गई है। कुल 200 बेड की सुविधा जिला अस्पताल में है। जिले में 1000 लीटर और 850 लीटर क्षमता वाले दो ऑक्सीजन प्लांट और एक एलएमओ प्लांट सुचारु तरीके से काम कर रहा है। जरुरत पड़ने पर इस बार ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। डॉ गुप्ता ने बताया इस बार आरटीपीसीआर जांच के लिए मरीजों को सागर नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि जिला अस्पताल में ही जांच की सुविधा शुरु करके लैब टेक्नीशियनों को प्रशिक्षण दिया है। दवाइयों सहित सभी आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था कर ली गई है।

भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाएं

सीएमएचओ डॉ गुप्ता ने लोगों से भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने की बात कही है। सर्दी, जुकाम, खांसी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। हालांकि अभी तक जिले में कोविड का एक भी केस नहीं मिला है, फिर भी प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है। कोराना के लक्षण वाले मरीजों की तत्काल जांच कराके उपचार की व्यवस्था की गई है।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

विधायक के प्रयास से स्वीकृत हुई सड़क, जल्द किया जाएगा भूमिपूजन

चिचोली, देशबन्धु। शाहपुर ब्लॉक में घोड़ाडोगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके के प्रयासों से पतौवापुरा चिखल्दाखुर्द रेलवे गेट से वाया बांकाखोदरी होकर कुसमरी मरदानपुर जोड़ तक 5 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। इससे क्षेत्र के लगभग 1 दर्जन गांवों बांकाखोदरी, कामठी ,कुसमरी मरदानपुर,दोड़ी,भुमकाढाना,छिमड़ी, गुवाड़ी,धपाड़ा,रानापुरा,भातना,धांसई को फायदा होगा और शाहपुर ब्लाक मुख्यालय आने-जाने में कम दूरी तय करनी पड़ेगी। ग्रामीणों की मांग और प्रयासों के बाद यह सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है। इस कार्य में युवा नेता नवील वर्मा की मेहनत और ग्रामीणों के सहयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसके परिणामस्वरूप यह परियोजना सफल हुई है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इस सड़क निर्माण कार्य को 4 करोड रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। इस सड़क से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व शाहपुर से सीधा जुड़ाव होगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। टेंडर प्रक्रिया के बाद मनीष तनवर (ठेकेदार)को कार्य का ठेका मिला है। जल्द ही विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके द्वारा भूमि पूजन किया जाएगा। इस सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का विकास होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस के बाद भी चलाया पौधारोपण अभियान

बैतूल, देशबन्धु। विश्व दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए परम डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी के जनरल मैंनेजर सतीश सिंह जादौन के नेतृत्व में कंपनी के कई पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने गुवाड़ी, डोढरामोहाड़, घोड़ाडोंगरी, मोतीढाना, फोफल्या में 200 से अधिक पौधे रोपित किए। अभियान में प्रमोद प्रताप सिंह, मन्नू सिंह सिकरवार, अंकुर भदौरिया, चंद्रप्रकाश मिश्रा, सत्यवीर सिंह, कुलदीप सिंह, लवलेश सिंह जादौन और भवानी सिंह सहित अन्य कर्मचारी एवं समाजसेवी सक्रिय रूप से शामिल रहे। कंपनी ने पर्यावरण बचाने की दिशा में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने यह संकल्प लिया कि वे लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करेंगे ताकि वे पेड़ बनकर आने वाली पीढयिों के लिए हरियाली और स्वच्छ वायु का स्रोत बन सकें। कार्यक्रम में पर्यावरण की रक्षा और हरियाली बढ़ाने पर जोर देते हुए वक्ताओं ने कहा कि पेड़-पौधे धरती का श्रृंगार हैं और इनका संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। इस प्रकार के अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देते रहेंगे।

विद्युत हितरक्षक संघ की मासिक बैठक आज, कई विषयों पर होगी चर्चा

बैतूल, देशबन्धु। । विद्युत हितरक्षक संघ जिला शाखा बैतूल की माह जून की मासिक बैठक आज शनिवार 7 जून को आयोजित की जा रही है। यह बैठक दोपहर 12 बजे से अधीक्षण यंत्री कार्यालय परिसर बैतूल में होगी। बैठक में विशेष रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा उनका निवारण करने को लेकर चर्चा की जाएगी।

इसके साथ ही माह अप्रैल और मई 2025 में जो कर्मचारी सेवा निवृत्त हुए हैं, उनका सम्मान भी इस बैठक के दौरान किया जाएगा। संघ शाखा बैतूल के अध्यक्ष आरआर वराठे ने सभी कर्मचारियों से निवेदन किया है कि वे बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों और यदि किसी प्रकार की व्यक्तिगत या सामूहिक समस्या हो तो बैठक में दर्ज कराएं, ताकि उनका समाधान निकाला जा सके।

महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय में चल रहा मनमर्जी का आलम

फील्ड पर होने का बहाना, घर पर आराम फरमाते और 4 बजे कर देते हैं हस्ताक्षर

सारनी, देशबन्धु। महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय सारनी में दोपहर 12 बजे के बाद ही काम शुरू होता है। यहां भृत्य तो अपने समय पर आकर कार्यालय का ताला खोल लेता है लेकिन प्रभारी अधिकारी, सुपरवाइजर, दो सहायक ग्रेड तीन बाबू कर्मचारी दोपहर बाद कार्यालय पहुंचते हैं। परियोजना कार्यालय में लापरवाही के गूगल फोटो सामने आए हैं। जिसमें दोपहर 12 बजे कार्यालय के दो कक्ष में कोई अधिकारी कर्मचारी उपस्थित नहीं थे, सिर्फ एक कक्ष में एक प्राइवेट कर्मचारी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर उपस्थित थी। बाकी सरकारी कर्मचारी अधिकारी नदारद थे। कार्यालय पहुंचे परेशान हितग्राही ने अधिकारी कर्मचारी की लापरवाही की गूगल फोटो लेकर मीडिया कर्मी को उपलब्ध करवाई है। हालांकि जिला कलेक्टर, एसडीएम को भी मामले की शिकायत हुई है। सूत्र बता रहे हैं कि 12 बजे से पहले परियोजना कार्यालय में अधिकारी कर्मचारी बीते एक पखवाड़े से नदारद रहते है। जबकि यहां सरकारी योजना, आंगनवाड़ी और पीएम योजना से संबंधित काम किए जाते हैं। यहां का ढर्रा इतना बिगड़ा हुआ है कि हितग्राही आए दिन परेशान होते नजर आते हैं। ड्यूटी के दौरान भृत्य कर्मचारी ऑफिस खोलकर पूरा दिन गायब रहते हुए शहर

की सड़क नापते हैं। इस तरह की शिकायतें कलेक्टर, एसडीएम सहित विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को बार-बार मिल रही है। जिम्मेदार अधिकारी के कार्यालय से नदारत होने से कार्यालय का कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहां पदस्थ अन्य कर्मचारी भी मन मुताबिक कार्यालय में पहुंच रहे हैं। जिससे शासन की योजनाओं का ठीक ढंग से क्रियान्वयन भी नहीं हो पा रहा है। यही वजह है महिला विभाग से संबंधित ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी समस्याओं को लेकर कार्यालय तक पहुंचते हैं और अधिकारी के नहीं होने के कारण बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है।

जिला कलेक्टर के आदेशों की अवेहलना

परियोजना कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी के 12 बजे तक नहीं पहुंचने से संबंधित उनसे कोई चर्चा करें तो वह इतना झूठ बोलते हैं कि क्या बताएं, उनका कहना होता है कि हम फील्ड पर चले जाते हैं। जबकि जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के सख्त निर्देश हैं कि ऑफिस खोलने के टाइम 10 बजे सर्वप्रथम अपनी हाजिरी लगाकर फिर फील्ड पर जाने के निर्देश दिए गए है। उसके बाद भी जिला कलेक्टर के आदेशों की अवेहलना करके प्रभारी अधिकारी, सुपरवाइजर, बाबू लोग ड्यूटी टाइम पर घर पर आराम फरमाते हुए 12 से 3 बजे के बीच कार्यालय पहुंचते हैं। इतना ही नही बैतूल से सारनी आने वाले एक सहायक ग्रेड तीन बाबू तो कई माह से दोपहर 2.30 बजे ऑफिस में पधारते हैं। जिनके कई बार वीडियो फुटेज भी वायरल हो चुके हैं।

4 बजे लगाते हैं हाजिरी रजिस्टर में उपस्थिति

सारनी परियोजना अधिकारी इतनी लापरवाह है कि वे स्वयं भी दो-दो दिन बाद तक उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर की जगह खाली छोड़कर तीन दिन की उपस्थिति एक दिन में ही लगा देती हैं। और उनके अधीन कार्यरत दो बाबू और एक सुपरवाइजर से अच्छे व्यवहार होने के चलते बिना अवकाश लिए दो-दो दिन ड्यूटी पर ना आकर अगले दिन आकर उपस्थिति रजिस्टर में हाजरी लगाया करते हैं। वहीं उनके पूरे माह की पेमेंट बनाने की जिम्मेदारी प्रभारी अधिकारी हंसी-खुशी उठाती है। ऐसी स्थिति में जिले में बैठे जिम्मेदार अधिकारी को निष्पक्ष जांच कर इन लापरवाह कर्मी पर कार्रवाई करना चाहिए।

इनका कहना है

गूगल फोटो सामने आई है, महिला बाल विकास विभाग से संबंधित जानकारी डीपीओ को दे दी गई हैं। वे परियोजना कार्यालय के मामले में जांच करेंगे। इसके बाद ही वस्तु स्थिति सामने आ पाएगी ।

अभिजीत सिंह, एसडीएम शाहपुर

पर्यावरण दिवस पर ओम आयुर्वेदिक कॉलेज ने रोपे सौ औषधीय पौधे

- रैली निकालकर प्लास्टिक हटाओ का दिया संदेश, कढाई क्षेत्र में बांटे 25 औषधीय पौधे

बैतूल, देशबन्धु। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर द्रव्यगुण विभाग, ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, भारत-भारती, जामठी द्वारा पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में कुल 100 महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक पौधों को लगाया गया। साथ ही 25 औषधीय पौधों को पास के कढाई क्षेत्र के नागरिकों में वितरित किया गया । उन्हें औषधीय पौधों के उपयोग एवं महत्व की जानकारी दी गई। संस्था अध्यक्ष सोनू पाल तथा कॉलेज प्राचार्य डॉ. विरेन्द्र शाह के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने कॉलेज द्वारा रैली निकाली गई, जिसमें प्लास्टिक हटाओ, जीवन बचाओ का नारा दिया गया। इस रैली के माध्यम से कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक जिंगरवार एवं डॉ. संदीप पाल द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। इस आयोजन में बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं सहित कॉलेज के सभी शिक्षकगण व कर्मचारी वर्ग सक्रिय रूप से शामिल रहे।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित: इसके अतिरिक्त, 6 जून को पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बी.ए.एम.एस. द्वितीय वर्ष की कक्षा में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण बचाओ, हरियाली बढ़ाओ जैसे विषयों पर सुंदर एवं प्रेरणादायक पोस्टर प्रस्तुत किए।

ग्राहक बनकर आए लुटेरों ने किराना दुकान से सामान, नगदी पर मारा हाथ

चिचोली, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिरापाटला मे एक किराना दुकान पर ग्राहक बनकर आए लुटेरों ने हजारों रुपए के किराना सामान और 20 हजार रूपए नगद रुपए लेकर फरार हो गए हालांकि वहां लगे सी सी कैमरे में लुटरों की तस्वीर कैद हो गई चिरापाटला निवासी दौलत राम चंदेलकर ने पुलिस को जानकारी देकर बताया कि उनकी पलक किरना के नाम से बस स्टैंड पर किराना दुकान है गुरुवार दोपहर में दो युवक दुकान पर अलग-अलग निकलवाया और 19हजार का किराना समान बोरी में रख लिया उसके बाद दोनों 1 घंटे तक सामान लेते रहे और आखरी में एक युवक सब्जी लेने के बहाने निकल गया और दूसरा युवक बिल बनाने के लिए खड़ा रहा वह भी दुकान में भीड़ का फायदा उठाकर काउंटर पर पेमेंट के लिए रखे 20 हजार रुपए और किराना की सामग्री लेकर फरार हो गया शातीर बदमाशों ने कुरकुरे एवं पोहा से भरी बोरी को छोड़ गए दुकान संचालक ने आसपास काफी तलाश किया लेकिन दोनों फरार हो गए थे लुटेरो ने अपनी मोटरसाइकिल दुकान से कुछ दूरी खड़ी कर रखी थी और एक युवक दुकान से बोरी में भरकर सामान पास करता गया

चोरी करते समय शातिर लूटरों तस्वीर सीसी कैमरे में कैद हो गई । पुलिस ने पूरी घटना को कैमरे में देखने के बाद मामले की जाँच शुरू है । इधर अनेक चोरी की घटना गुरुवार को चिचोली नगर के बैतूल रोड स्थित पारस किराना दुकान के गोदाम में चोरों ने खिड़की तोड़कर गोदाम में रखा किराना सामान उड़ा दिया। लगातार थाना क्षेत्र में चोरी की घटना बढ़ रही है ।

अभिभाषक संघ के चुनाव की तपिश: अध्यक्ष पद के लिए अशोक वर्मा और अजय सिंह चौहान में होगी सीधी टक्कर

बैतूल, देशबन्धु। जिला अधिवक्ता संघ बैतूल के निर्वाचन कार्यक्रम के तहत नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नितिन मिश्रा एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी महेश कुमार रावत, अरविन्द देशपांडे एवं राकेश पटेल द्वारा जानकारी दी गई कि नामांकन फार्म जमा करने की अंतिम समय सीमा 6 जून को सायं 4 बजे तक रखी गई थी। निर्धारित समय सीमा के भीतर कुल 26 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल किए।जिला अधिवक्ता संघ बैतूल का यह चुनाव आगामी 27 जून को संपन्न होगा, जिसमें अधिवक्ता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे।

प्राप्त जानकारी अनुसार, अध्यक्ष पद के लिए दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं अशोक कुमार वर्मा एवं अजय सिंह चौहान के बीच सीधा मुकाबला रहेगा। उपाध्यक्ष पद के लिए अलका गहीर, सुनील कुमार

बासल और राजेन्द्र कुमार बघेल ने नामांकन दाखिल किया है। सचिव पद के लिए तीन उम्मीदवार राजेश मन्दरे, बलदेव कुमार महाजन एवं अजय सोनी मैदान में हैं। सहसचिव पद हेतु दीपक कुमार आसरेकर, बंटी कारोसिया और गौरव मगरदे के बीच मुकाबला होगा। कोषाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी मनोज कुमार डफरे एवं सौरभ परिहार आमने-सामने होंगे। पुस्तकाध्यक्ष पद पर शिवकुमार कापसे और लोकेन्द्र शेषकर के बीच चुनावी जंग तय मानी जा रही है।

कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए सबसे अधिक 11 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें राजेश भूमरकर, संतोष खातरकर, मोनिका निरापुरे, रोशन मगदरे, दिनेश उईके, निलेश उसरेटे, वीरेन्द्र कुमार तिवारी, भवानीप्रसाद दीवान, पुरनलाल राठौर, मनीष कुमार राठौर एवं अनिल कुमार राठौर शामिल हैं।

निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच उपरांत वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। उसके बाद प्रचार-प्रसार का दौर शुरू होगा और अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग कर 27 जून को अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे।

बालाजी इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ एयरो विजन ड्रोन लैब का शुभारंभ

बैतूल, देशबन्धु। जिले के एकमात्र इंजीनियरिंग कॉलेज श्री बालाजी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट बैतूल में ड्रोन तकनीकी युक्त एयरो विजन ड्रोन लैब का शुभारंभ किया गया। जिसके लिए एस.बी.आई.टी.एम, ए.वी.पी.एल. इंटरनेशनल एवं ए. आई. सी. टी. ई. के मध्य एक एम.ओ.यू. साइन किया गया, जिसके तहत जिले में ड्रोन संचालन, ड्रोन उड्डयन तकनीकी से संबंधित सभी प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई, जिसका अनावरण कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीजे शाह एवं महाविद्यालय प्रबंधन समिति से प्रो. ए.जे. ठाकुर, एस.पी.ओ.सी. प्रो. भावेश खासदेव, ए.वी.पी.एल. के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर शशांक खरे एवं ट्रेनर्स की

उपस्थिति में किया गया। इन लैब में सभी इच्छुक एवं पात्र प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा । प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमाणित सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। इन प्रशिक्षणों से प्रशिक्षु ड्रोन से संबंधित तकनीकियों का बारीकी से अध्ययन कर सकेंगे। साथ ही साथ ड्रोन मैनेजमेंट एवं सर्विस प्रोवाइडर का कार्य भी कर सकेंगे, जो कि एक उभरता हुआ एवं उपयोगी क्षेत्र सिद्ध होगा। इसका लाभ युवाओं के रोजगार एवं किसानों को होगा। इस ट्रेनिंग में प्रवेश हेतु महाविद्यालय में आकर अपना पंजीयन करवाया जा सकता है पंजीयन हेतु एस. पी. ओ. सी. प्रो. भावेश खासदेव से संपर्क करें।

ग्रीन सिटी में दीपाली डागा ने किया सार्वजनिक नल कनेक्शन का लोकार्पण

बैतूल, देशबन्धु। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रागेश्वर शिव मंदिर प्रांगण ग्रीन सिटी प्रागा होम्स कॉलोनी में विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर आचार्य श्री बालकृष्ण उद्यान के सामने और क्रांतिकारी भगत सिंह उद्यान के सामने शरद परिहार के जन्म दिवस पर नारियल के पौधे का रोपण किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम के बाद क्रांतिकारी भगत सिंह उद्यान और छत्रपति संभाजी महाराज उद्यान में सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा ने सार्वजनिक नल कनेक्शन का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। आयोजन में प्रशांत राजपूत, राकेश गुप्ता, सुभाष पवार, संतोष तोमर, उदित तोमर, सावित्री विनोद परिहार, अजय मालवीय, दीपिका मालवीय, विनय शर्मा, अनुराग दुबे, सावित्री तोमर, नित्यानंद उपाध्याय, राम सोलंकी महोबे, श्रेया दुबे, विनोद परिहार, उदित तोमर, गुरुवक्ष पाटिल, पुष्पा पाटिल, संतोष तोमर, रमाशंकर अग्निहोत्री, दिनेश ढलते, घनश्याम घोडकी, विनोद अतुलकर, दुलारी शेषकर, श्रवण कुमार, रूपेश कुमार पाटिल, संतोष सोनारे और अरुण सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेंगे और पौधारोपण को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे।

रेलवे की सड़क ले रही लोगों की जान, अब जनप्रतिनिधि सुनते हैं न ठेकेदार

आमला, देशबन्धु। रेलवे अस्पताल से स्टेशन मार्ग तक की सड़क जर्जर हो गई है, लेकिन इसका सुधार नहीं हो रहा है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। रेलवे अस्पताल से स्टेशन मार्ग तक की सड़क की लागत 19 लाख 96 हजार रुपये थी। यह सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा ठेकेदार मैसर्स शर्मा एन्ड सन्स इलेक्ट्रिकेट से निर्माण कराई गई थी। लेकिन सड़क निर्माण की अवधि 18 मई 2022 होने के बावजूद भी सड़क जर्जर हो गई है और इसकी गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। सड़क पर गड्ढे और उबड़-खाबड़ सतह के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और इससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही इस समस्या का समाधान करेगा और सड़क को ठीक करेगा।

सड़क सुधार की आवश्यकता: अब सुधार की आवश्यकता है ताकि सड़क को ठीक किया जा सके और लोगों को परेशानी से बचाया जा सके. सड़क के सुधार के लिए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और सड़क को ठीक करना चाहिए। जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और सड़क के सुधार के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे लोगों को परेशानी से बचाया जा सकेगा और सड़क की गुणवत्ता में सुधार होगा। प्रशासन को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और सड़क के सुधार के लिए

आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

तीन सालों से खराब है सड़क: अब देखना यह है कि प्रशासन इस मुद्दे पर क्या कार्रवाई करता है और सड़क के सुधार के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही इस समस्या का समाधान करेगा और सड़क को ठीक करेगा। प्रशासन को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और सड़क के सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। रेलवे अस्पताल से स्टेशन मार्ग तक की सड़क जर्जर हो गई है और इसका सुधार नहीं हो रहा है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। प्रशासन को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए । जब इस प्रतिनिधि ने वर्जन लेना चाहा तो किनारा कर लिया गया।

जो देख रहा वही कर रहा आश्चर्य...कबाड़ से जुगाड़ की धुन में जुटीं हुई नेहा गर्ग: 2 सौ किलो कचरा लगा

टूटे तसले, जाली और चप्पलों से बना दिया डस्टबिन

बैतूल, देशबन्धु। यदि मन में कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो तो फिर संसाधनों का अभाव आड़े नहीं आता है। जुनून के चलते व्यक्ति कबाड़ से भी जुगाड़ कर ऐसी उपयोगी सामग्री का निर्माण कर देता है जो कि बरबस ही चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसी ही एक सामग्री वेस्ट से डस्टबिन नगर पालिका की नपा अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर एवं सीएमओ सतीष मटसेनिया के मार्गदर्शन में नपा की पहली महिला ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग और उनकी टीम ने बनाई है जिसकी शहरवासियों द्वारा मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की जा रही हैं। वहीं इस डस्टबिन का उपयोग भी लोगों ने शुरू कर दिया है। डस्टबिन को नेहरू पार्क के पास लगाया गया है जो कि राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

डस्टबिन में किया इन सामग्री का उपयोग: ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग ने बताया कि इस डस्टबिन को बनाने के लिए लगभग 200 किलो सामग्री का उपयोग

किया गया है जिनमें अधिकांश वस्तु कबाड़ की है। इनमें पुरानी प्लेटे, टूटे हुए तसले, चप्पलें, जाली, टूटे खिलौने, डब्बे, ढक्कन सहित प्लाई लगाई गई है। इन्हीं सब सामग्री को एकत्र कर श्रीमती नेहा गर्ग और उनकी टीम में शामिल श्रेणिक जैन, उमा सोनी एवं कंचन यादव ने मिलकर डस्टबिन का निर्माण किया है जो कि शानदार दिखाई दे रही है।

ऐसे शुरू हुआ था कबाड़ का उपयोग: बैतूल नगर पालिका ने स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर शहर को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ सुंदर बनाने के लिए कबाड़ के उपयोग से विभिन्न आकर्षक कलाकृतियों के निर्माण करवाई थी। इसी नवाचार के अंतर्गत नगर पालिका की ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग और उनकी टीम के सदस्यों द्वारा अथक मेहनत करते हुए कबाड़ से जुगाड़ करते हुए पूर्व में चिड़िया, बिच्छू, मछली, मोर, गिटार, हाथी, गाय, कछुआ, शेर, ईगल के साथ कुछ दिनों पहले ही हवाई जहाज भी निर्माण किया था जिसे लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम चौराहे के समीप सर्किट हाऊस के सामने लगाया गया है।

पीएम के विजन पर काम कर रही नगरपालिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता मिशन को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत अर्बन मिशन बनाया था। बैतूल नगर पालिका परिषद भी इसी मिशन के परिपालन में शहरीकरण की चुनौतियों को प्रभावी ढंग से निपटने का प्रयास कर रही है। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ स्वच्छता निरीक्षक संतोष धनेलिया एवं राजेश सोनी तथा नगर पालिका की पूरी टीम भी इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा पर काम कर रहा है।

लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति के अभिनंदन समारोह में हुए शामिल मुख्यमंत्री, कहा-

गुरू ही जीवन की दिशा तय करते हैं

उज्जैन/ भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शुक्रवार को लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति के अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि लोकमान्य तिलक विद्यालय परिसर में भविष्य के विकास का संकल्प निर्मित हुआ है। ये परिसर राष्ट्रवादी विचारों का जीवंत केंद्र है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों में कुलपति के स्थान पर कुलगुरु संबोधित किए जाने पर कहा कि गुरु शब्द अंधेरे से प्रकाश को जोड़ता है। माता-पिता के बाद गुरु ही जीवन की दिशा तय करते हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में लोटी स्कूल से जुड़े अपने विद्यार्थी परिषद के समय के अनुभव भी साझा किए। विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण श्री किशोर खंडेलवाल ने दिया। मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किये। श्री खंडेलवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष शिक्षकों के उन्नयन के लिए 3 दिवसीय अभ्यास वर्ग के चलते आयोजित किया जाता है। इसमें अलग-अलग विषय होते हैं। कार्यकम में विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में 10वीं में टॉपर 3 छात्र, छात्राओं एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता मल्लखम्भ खेल में मैडल हासिल करने वाले 4 खिलाड़ी छात्र, छात्राओं का सम्मान किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष किशोर खंडेलवाल, सचिव विश्वनाथ सोमन और गिरीश भालेराव ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गिरीश भालेराव ने किया और आभार प्रदर्शन विश्वनाथ सोमन ने किया।

कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग के लिए कुछ नहीं किया : शर्मा

पिछड़ा वर्ग विरोधी रहे हैं कांग्रेस और उसके नेता: डॉ. के लक्ष्मण

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के जो लोग झूठ फैलाकर वातावरण बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। श्री शर्मा ने कहा कि हमें भाजपा सरकार के कामों, उपलब्धियों और कांग्रेस के नकारापन को घर-घर तक पहुंचाना है। यह बात श्री शर्मा ने आज प्रदेश कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा की वृहद कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जातीय जनगणना को लेकर बड़ा जनसंपर्क अभियान शुरू करने का फैसला किया है। श्री शर्मा ने कहा कि इस संगोष्ठी में निर्णय लिया गया कि भाजपा का पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश के हर ओबीसी परिवार तक पहुंचकर जातिगत जनगणना को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों और निर्णयों की जानकारी देगा।

उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग को लेकर भाजपा की सोच क्या है, इसका अंदाज इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि सुश्री उमा भारती से लेकर स्व. बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री रहे और वर्तमान में डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं, यह सभी पिछड़ा वर्ग से आते हैं। भाजपा संगठन में 65013 बूथों में से 51 प्रतिशत बूथों के अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग से आते हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में इतिहास रचा है। वहीं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 11 वर्षों में देश और पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए जो काम किए हैं, वो कांग्रेस की सरकारों ने कई दशकों में भी नहीं किए। उन्होंने जातिगत जनगणना का जो निर्णय लिया है, वो एक ऐतिहासिक निर्णय है। कार्यशाला को प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा एवं प्रदेश सरकार की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने भी संबोधित किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान:मुख्यमंत्री डॉ. यादव बावड़ी उत्सव में सम्मिलित हुए

चिंतामण गणेश मंदिर परिसर में लगाया सिंदूर का पौधा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल गंगा संवर्धन अभियान में श्री चिंतामण गणेश मंदिर परिसर स्थित लक्ष्मण बावड़ी से बावड़ी उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %बूंद सहेजे बावड़ी% पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %एक पेड़ मां के नाम अभियान% में चिंतामण गणेश मंदिर परिसर में सिंदूर के पौधे का रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री चिंतामण गणेश के आशीर्वाद से देश-प्रदेश विकास की नई ऊंचाईयाँ छू रहा है। उज्जैन में आयोजित की गई वेलनेस समिट में हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उज्जैन देश-विदेश के लिए मानसिक शांति, आध्यात्म, वेलनेस केयर का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन-इंदौर नवीन फोरलेन पर भी कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि चिंतामण गणेश रेलवे स्टेशन का उन्नयन भी किया जाएगा। मां क्षिप्रा को कान्ह क्लोज् डक्ट परियोजना और सेवारखेड़ी सिलारखेड़ी परियोजना से स्वच्छ, निर्मल और प्रवाहमान किया जा रहा है। इससे सिंहस्थ स्नान मां क्षिप्रा के स्वच्छ जल से हो होगा। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नवीन

क्षिप्रा घाटों का निर्माण किया जा रहा है। सभी सुविधा श्रद्धालुओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसमें प्रदेश में जल संरक्षण का संदेश, जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार और भू-जल स्तर में सुधार पर कार्य कर जल की एक-एक बूंद को संरक्षित करने के उपाय किये गये हैं।

जन अभियान परिषद द्वारा बताया गया कि बावड़ी उत्सव में बावड़ियों के स्थल की जन सहभागिता से जीर्णोद्धार, प्रकाश, साफ सफाई, साज-सज्जा, जल आने के मार्गो को खोलकर जल संरचनाओं को नव जीवन प्रदान किया जा रहा है। जीर्णोद्धार के बाद बावड़ी उत्सव अंतर्गत बावड़ी का परंपरागत पूजन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में संपूर्ण अभियान में परिषद के प्रयासों से 36 लाख 34 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है। परिषद् द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में 2139 बावड़ी सफाई, 4254 तालाब सफाई, 3468 नदी घाट सफाई,15913 जल संगोष्ठी,1677 नुक्कड़ नाटक, दीवार लेखन के कार्य किए गए है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी ईदुज्जुहा की बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ईदुज्जुहा पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि ईदुज्जुहा का त्योहार त्याग, बलिदान और आपसी विश्वास का संदेश देता है। यह त्योहार दीन-दुखियों, गरीबों की सेवा तथा मानवता और भाईचारे को सुदृढ़ बनाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईदुज्जुहा का त्योहार भारत की गौरवशाली परम्परानुसार शांति, सद्भाव और समरसता के साथ मनाने तथा स्वच्छता का ध्यान रखने की अपील की है।

मंत्री कंषाना ने की कृषि प्रक्षेत्रों की राज्य स्तरीय समीक्षा

भोपाल, देशबन्धु। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसानों की फसलों की उत्पादकता में वृद्धि के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने यह निर्देश राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान में शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों के कार्यों की समीक्षा की। कृषि मंत्री ने शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों के कार्यों की सराहना की और उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कांग्रेस ने फिर उठाया व्यापम का मुद्दा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी बोले-

व्यापम सिर्फ घोटाला ही नहीं बल्कि 50 से अधिक मौतों का भी मामला

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस एक बार फिर व्यापमं मुद्दे को लेकर आक्रामक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बेरोजगार युवाओं के भविष्य प्रति गहरी चिंता जताई है। श्री पटवारी ने कहा कि व्यापम सिर्फ एक घोटाला ही नहीं है, बल्कि यह न्याय की हत्या का मामला है, क्योंकि व्यापमं घोटाले से जुड़े 50 से अधिक लोगों की मौतें हुई हैं। जिनमें छात्र, पत्रकार और घोटाले से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, इसके बाद भी आज तक एक भी व्यापमं घोटाले के एक भी आरोपी को सजा नहीं मिली है, सभी बरी हो गए। श्री पटवारी ने पुलिस आरक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि आरक्षक भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गैंग के माध्यम से फर्जी उम्मीदवारों को बैठाया गया। इस मामले में अब तक 16 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही। इससे पहले पटवारी भर्ती, प्राथमिक शिक्षक भर्ती और कई अन्य परीक्षाओं में भी यही पैटर्न रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों युवा, दिन-रात मेहनत करके सरकारी नौकरी के सपने देखते हैं। लेकिन ये सरकार उनके सपनों की कब्र खोदने में लगी है। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या युवाओं की मेहनत अब साजिशों की भेंट चढ़ा दी जाएगी?

उन्होंने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान के संदर्भ में कहा कि भाजपा के नेताओं की सोच महिलाओं के कपड़ों से शुरू होकर वहीं खत्म हो जाती है। चाहे कैलाश विजयवर्गीय हों या नरोत्तम मिश्रा। श्री पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी के एक व्यंग्यात्मक बयान पर भाजपा आहत हो जाती है, लेकिन जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा करते हैं कि उन्होंने भारत को धमका कर सीजफायर कराया, तब प्रधानमंत्री मौन क्यों हैं? ट्रंप भारत माता का अपमान कर रहे हैं और प्रधानमंत्री मौन हैं। क्या प्रधानमंत्री का पद बड़ा है या भारत माता का सम्मान? वहीं राहुल गांधी के बयान को स्पष्ट करते हुए पटवारी ने बताया कि राहुल गांधी द्वारा 'बारात के घोड़े' उन नेताओं को बताया गया है, जो हमेशा सत्ता की सवारी करना चाहते हैं। ऐसे लोग ही सिंधिया के साथ भाजपा में चले गए। और जिन्हें 'लंगड़े घोड़े' कहा गया, वे लोग हैं जिन्हें कांग्रेस ने सब कुछ दिया, लेकिन संघर्ष के समय पार्टी को छोड़ गए। पटवारी ने कहा कि यह वक्त चुप बैठने का नहीं है।

मप्र विधानसभा की आश्वासन समिति असम और मेघालय के दौरे पर पहुंची

आश्वासनों के निराकरण की प्रक्रिया का किया अध्ययन

इंदौर के दंपत्ति के साथ हुए हादसे पर मेघालय के मुख्यमंत्री से की चर्चा

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा की शासकीय आश्वासन संबंधी समिति असम एवं मेघालय राज्य के दौरे पर हैं। सभापति हरिशंकर खटीक के प्रतिनिधित्व में समिति सदस्यों ने अध्ययन दौरे के दौरान विधानसभाओं की संसदीय प्रक्रियाओं और आश्वासनों के निराकरण की प्रक्रिया का अध्ययन किया।

मध्यप्रदेश विधानसभा के इस दल ने पहले असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसााद आचार्य एवं मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से भेंट की। चर्चा के दौरान श्री खटीक ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास की जानकारी दी, साथ ही असम सरकार के कार्यों के बारे में जानकारी ली। साथ ही असम की शासकीय आश्वासन संबंधी समिति के सभापति सुशांत बोरगोहेन व अन्य सदस्यों के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक में असम में शासकीय आश्वासनों की प्रक्रिया एवं उनके निराकरण पर पूरी जानकारी प्राप्त की गई। वहीं गत 4 जून को दल ने मेघालय राज्य के राज्यपाल चन्द्रशेखर एच. विजयशंकर एवं

उपाध्यक्ष, विधानसभा मेघालय टिमोथी डी. शीरा से मुलाकात की। दल ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधित्व में शामिल विधायक रमेश प्रसाद खटीक, श्रीमती मनीषा सिंह एवं गौरव पारधी ने मुख्यमंत्री मेघालय के साथ भेंट के दौरान मेघालय में इंदौर के दंपत्ति राजा रघुवंशी की हत्या एवं उनकी पत्नी के लापता होने के विषय पर भी चर्चा की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में जांच में त्वरितता लाने के लिए के संबंध में भी कहा। प्रतिनिधि मंडल में शामिल सदस्य विधायक रमेश प्रसाद, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक गौरव पारधी और विधानसभा सचिव अरविंद शर्मा, अवर सचिव नरेन्द्र मिश्रा, व अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे। इन सदस्यों ने मेघालय की शासकीय आश्वासनों संबंधी समिति के सभापति रेनिकटन एल. टोंगखार और अन्य सदस्यों के साथ संयुक्त बैठक की एवं वहां आश्वासन समिति की प्रक्रिया और निराकरण पर जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि यह अध्ययन दौरा विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के निर्देश पर उत्तर-पूर्वी राज्यों की विधानसभा में शासकीय आश्वासनों की स्थिति एवं निराकरण की प्रक्रिया का अध्ययन करने और समिति द्वारा आश्वासनों की पूर्ति कैसे कम से कम समय की जाए इस दिशा में अध्ययन करने के लिए आयोजित किया गया है।

भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष समिति का आग्रह

यूका कचरे के वैज्ञानिक पक्ष का अध्ययन करें न्यायाधीश

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष समिति की संयोजक साधना कार्णिक ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं के बारे में अप्रिय टिप्पणियां की हैं। सुश्री कार्णिक ने पूछा है कि आखिर न्यायालय की छुट्टी के दौरान अवकाश खण्डपीठ का काम निर्धारित होता है। उस खण्डपीठ द्वारा जनता के ज़रुरी मुद्दों पर सुनवाई की ज़िम्मेदारी होती है। उस दौरान उच्चतम न्यायालय का यह कहना कि प्रभावित पक्ष न्यायालय की छुट्टियों का विरोध कर रहा है, क्या न्यायोचित है ? उन्होंने आरोप लगाया कि सीपीसीबी एमपीपीसीबी और गैस राहत विभाग जानबूझकर कोर्ट की छुट्टियों के दौरान भोपाल का जहरीला कचरा जला रहे हैं ताकि प्रभावित पक्ष को न्याय न मिल सके। उन्होंने कहा कि जहरीला कचरा इंसीनरेटर में जलाना, कचरा निष्पादन और लैंडफिलिंग की अंतहीन और बेहद खर्चीला सिलसिला शुरू करेगा जो पर्यावरण एवं जनजीवन के लिए अत्यधिक घातक है। जहरीला कचरा इंसीनरेटर में जलाना सौ साल पुरानी पद्धति है ,जबकि नये वैज्ञानिक अन्वेषण के द्वारा कचरा जलाये बिना उसके निष्पादन के नए वैकल्पिक तरीके ईजाद किये गये हैं।

समिति ने आग्रह किया है कि न्यायालय के न्यायाधीश सामाजिक कार्यकर्ताओं पर टिप्पणी कर अपना समय नष्ट करने के बजाय भोपाल के जहरीले कचरे के वैज्ञानिक तथ्यों तथा उसके निष्पादन के नए तरीकों के अध्ययन पर ध्यान दें ताकि प्रभावित पक्ष के साथ अन्याय न हो।

पॉवर सब स्टेशन का कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश

मंत्री काश्यप ने महिदपुर रोड पर निर्माणाधीन औद्योगिक क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण

भोपाल, देशबन्धु। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने शुक्रवार शाम आलोट विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों से लौटते समय महिदपुर रोड गोगापुर स्थित शुगर मिल की भूमि पर विकसित हो रहे नवीन औद्योगिक क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र की सुविधाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पॉवर सब स्टेशन का कार्य जल्द पूर्ण करने को कहा ताकि उद्योगपतियों को कोई परेशानी नहीं आए। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि महिदपुर रोड के नवीन औद्योगिक क्षेत्र के भूखण्डों को नीलामी हेतु पोर्टल पर डाल दिया गया है। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को औद्योगिक क्षेत्र की ग्रीन बेल्ट की खुली भूमि पर पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने के निर्देश दिए और नवीन औद्योगिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता भी देखी। निरीक्षण के दौरान श्री काश्यप के साथ स्थानीय जन-प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने देवश्री फ़िल्म एंड टीवी इंस्टीट्यूट के कार्यालय का किया शुभारंभ, बोले

प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं उचित मंच की आवश्यकता

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश, विशेष रूप से भोपाल और उसके आस-पास के अंचल में कला, संगीत, अभिनय, निर्देशन और तकनीकी दक्षता से परिपूर्ण प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है तो उन्हें उचित मंच देने की। श्री शुक्ल ने कहा कि आज का युग संचार, सिनेमा और डिजिटल मीडिया का है, जिसमें क्षेत्रीय भाषाएँ, लोकसंस्कृति और पारंपरिक कलाएं भी वैश्विक मंच पर पहुँच रही हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह संस्थान मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक मूल्यों को फिल्म और मीडिया के माध्यम से उजागर करेगा, जिससे न केवल राज्य की पहचान मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और पहचान के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। श्री शुक्ल आज मानसरोवर स्थित देव श्री फ़िल्म एंड टीवी इंस्टीट्यूट के कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने संस्थान की

स्थापना को स्थानीय प्रतिभाओं के प्रोत्साहन और क्षेत्रीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा यह संस्थान अंचल में कला, संगीत, अभिनय, निर्देशन को उचित मंच देने कार्य करेगा। श्री शुक्ल ने संस्थान के संस्थापक विक्रम सिंह गुर्जर, संचालक निर्देशक विनोद तिवारी को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र शर्मा, सुनील पाण्डे, यूट्यूब पर बहु चर्चित फिल्म बेटी एक वरदान के निर्देशक मनु यादव, फिल्म जंजाल के निर्देशक दिनेश गुर्जर सहित सांस्कृतिक, मीडिया और शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

किरेन रिजिजू ने लॉन्च किया 'उम्मीद' पोर्टल

वक्फ संपत्तियों की अब एक क्लिक में मिलेगी जानकारी

वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को 'उम्मीद' (एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) पोर्टल लॉन्च किया। यह पोर्टल देश भर की वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। डिजिटल इंडिया पहल के तहत शुरू किए गए इस पोर्टल के माध्यम से अब सभी वक्फ बोर्डों की संपत्तियों का निर्धारित समयसीमा के भीतर पंजीकरण किया जाएगा। यह कदम वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन को सशक्त, प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है। पोर्टल के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज 'उम्मीद' पोर्टल का शुभारंभ एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी कह चुके हैं कि स्वतंत्रता के बाद देश में जो महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, उनमें वक्फ संशोधन अधिनियम भी एक बड़ा कदम है। यह कोई सामान्य निर्णय नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाली एक ऐतिहासिक पहल है।'

यह पोर्टल उन लोगों के लिए 'उम्मीद' की एक नई किरण साबित हो सकता है, जिनका जीवन वक्फ संपत्तियों से जुड़े संस्थानों और सुविधाओं पर आधारित है। किरेन रिजिजू

देश में 9 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां

रिजिजू ने बताया कि देश में 9 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं। आने वाले समय में इन सभी का पंजीकरण इस पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने अधिनियम के अनुसार एक निश्चित समयसीमा तय की है, जिसमें संपत्तियों का पंजीकरण होना है। प्रक्रिया पूरी तरह स्पष्ट और सुविधाजनक है। इसमें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी और सब कुछ पारदर्शी रहेगा। मैं सभी राज्य सरकारों और वक्फ बोर्डों से अपील करता हूं कि वे तय समयसीमा का कड़ाई से पालन करें।

तीन स्तरों पर सत्यापन किया जाएगा

वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण 'ओटीपी' आधारित होगा। तीन स्तरों पर सत्यापन किया जाएगा। प्रत्येक संपत्ति को 17 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जाएगी। इसके साथ ही, एक केंद्रीकृत हेल्पलाइन भी जारी की जाएगी, ताकि वक्फ बोर्डों को किसी भी तरह की तकनीकी सहायता आसानी से मिल सके। हालांकि, इस पहल को लेकर कुछ मुस्लिम संगठनों की ओर से आपत्ति भी दर्ज की गई है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस संशोधित वक्फ कानून को 'असंवैधानिक' बताते हुए विरोध किया है।

वहीं, सरकार का कहना है कि इस पोर्टल से न केवल वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण और संरक्षण सुनिश्चित होगा, बल्कि उनके पारदर्शी और जवाबदेह उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। यह पोर्टल उन लोगों के लिए 'उम्मीद' की एक नई किरण साबित हो सकता है, जिनका जीवन वक्फ संपत्तियों से जुड़े संस्थानों और सुविधाओं पर आधारित है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।